पटना ● शुक्रवार , 4 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः86 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जहां प्रेम है वहीं परमात्मा है जहां ... 3 www. bordernewsmirror.com मेरे लिए सफलता का मतलब... 7

सप्तम मां कालरात्रि

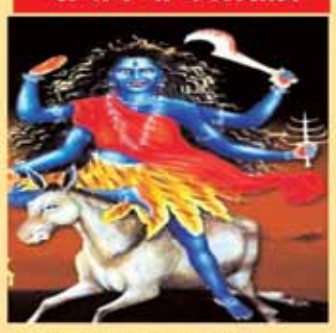

मां के सप्तम रूप का नाम है मॉं कालरात्रि। यह मां का अति भयावह व उग्र रूप है। सम्पूर्ण सृष्टि में इस रूप से अधिक भयावह और कोई दूसरा नहीं। किन्तु तब भी यह रूप मातृत्व को समर्पित है। देवी मां का यह रूप ज्ञान और वैराग्य प्रदान करता है।

कैप्टन शुभांशु शुक्ला जाएंगे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

● भारत अंतरिक्ष में एक बार फिर से रचेगा नया इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अंतरिक्ष में नया इतिहास रचने जा रहा है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला स्पेसएक्स के साथ चल रहे नए मिशन का हिस्सा होंगे। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनेंगे। यह मिशन ए×-4 का हिस्सा होगा। इस मिशन की लॉन्चिंग तारीख सामने आ गई है। इसे नासा के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला भारतीय वायुसेना के अनुभवी पायलट हैं।

वह भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के लिए भी चुने गए एस्ट्रोनॉट्स में शामिल हैं। ए×-4 मिशन में वह स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान के पायलट के रूप में अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे। इस मिशन का नेतृत्व पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन करेंगी। उनके साथ पोलैंड के सावोस उज़नान्स्की-विस्नेवस्की और हंगरी के टिबोर कापू मिशन स्पेशलिस्ट के रूप में शामिल होंगे। यह 14 दिन का मिशन है, जिसमें विज्ञान से जुड़े प्रयोग, शैक्षिक कार्यक्रम और व्यावसायिक गतिविधियां की जाएंगी। शुभांशु शुक्ला इस दौरान भारत की संस्कृति को भी अंतरिक्ष में प्रदर्शित करेंगे। वह अलग-अलग भारतीय राज्यों से जुड़ी कलाकृतियां लेकर जाएंगे और अंतरिक्ष में योग करने का भी प्रयास करेंगे। शुभांशु शुक्ला इस मिशन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इससे पहले राकेश शर्मा 1984 में अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने थे। यह मिशन भारत की अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती ताकत और वैश्विक सहयोग को दर्शाता है। इस मिशन के जरिए नासा और इसरो के बीच सहयोग मजबूत होगा, जिससे भविष्य में अंतरिक्ष की खोज और अंतरिक्ष यात्राओं के नए रास्ते खुलेंगे। शुभांशु शुक्ला ने कहा,यह सिर्फ मेरी यात्रा नहीं है, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों की उम्मीदों और सपनों की उड़ान है।

उत्तर भारत में गर्मी मचाने वाली है तांडव

पांच डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में गर्मी का कहर बढ़ने वाला है। अगले सात दिनों में गर्मी का तांडव दिखने वाला है। उत्तर भारत में अधिकतम तापमान तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। इसके अलावा, दक्षिण भारत के राज्यों में बारिश, आंधी तूफान व बिजली कड़कने की चेतावनी जारी की गई है। दो से छह अप्रैल के बीच दक्षिण भारत में भारी बारिश होगी। हीटवेव की बात करें तो सौराष्ट्र और

कच्छ में अगले सात दिनों तक इसका कहर देखने को मिलेगा। वहीं, पश्चिमी राजस्थान में सात और आठ अप्रैल को हीटवेव चलने वाली है। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, इंटीरियर कर्नाटक, तमिलनाडु में तेज हवाएं चलीं। वहीं, तमिलनाडु में भारी बरसात हुई। इसके अलावा, मध्य महाराष्ट्र में ओले गिरे। सौराष्ट्र और कच्छ में हीटवेव रिकॉर्ड की गई। दक्षिण भारत की बात करें तो 2-6 अप्रैल के बीच आंधी तूफान, बिजली कड़कने का अलर्ट है। इसके अलावा, मध्य भारत, झारखंड, ओडिशा में दो से चार अप्रैल के बीच बारिश होगी।

वक्फ में गैर-मुस्लिमों का नहीं होगा दखल

● राज्यसभा में मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ किया सरकार का रुख

कांग्रेस ने कहा-यह मुस्लिमों के खिलाफ,पोलराइजेशन है उद्देश्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (एजेंसी)। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को वक्फ संशोधन बिल राज्यसभा में पेश किया। उन्होंने कहा कि व्यापक चर्चा के बाद तैयार किए गए बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया था। वक्फ को लेकर जेपीसी ने जितना काम किया, उतना काम किसी कमेटी ने नहीं किया। रिजिजू ने कहा- संशोधित बिल में मुसलमानों के धार्मिक क्रियाकलापों में किसी तरह का हस्तक्षेप कोई गैर मुस्लिम नहीं करेगा। हमने ट्रांसपैरेंसी, अकाउंटेबिलिटी, एक्यूरेसी पर केंद्रित बदलाव किए हैं। हम किसी की धार्मिक भावना को चोट पहुंचाने के लिए नहीं हैं।

हमने ट्रेन, प्लेन में नमाज पढ़ ली तो क्या वो हमारा हो गया

हुसैन ने कहा- बार-बार कहा जा रहा है कि वक्फ बोर्ड किसी भी जमीन को अपनी जमीन डिक्लेयर कर सकता है। क्या भारत में कोई कानून नहीं है। अगर हमने ट्रेन, प्लेन में नमाज पढ़ ली तो क्या ट्रेन-प्लेन हमारा हो गया। उन्होंने कहा- अगर वक्फ बोर्ड के सामने कोई शिकायत आती है तो हम जांच करते हैं। मैं 6 साल से कर्नाटक वक्फ बोर्ड में हूं। कोई शिकायत आने पर कई स्तरों पर जांच होती है। आप ट्रिब्यूनल में जा सकते हैं। ये कह रहे हैं कि पहले ट्रिब्यूनल के अलावा अपील नहीं कर सकते थे। नसीर ने आगे कहा- वक्फ के मायने दान है।

● कांग्रेस बोली-पोलराइजेशन के लिए बिल लाया गया- कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने विपक्ष की ओर से चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा- इनको 2024 में क्यों याद आया। बीजेपी को लोकसभा चुनाव में मेजॉरिटी नहीं मिली। इसलिए ये पोलराइजेशन करना चाह रहे हैं। सभी जानते हैं कि देश में कौन ध्रुवीकरण करता है। ये बिल मिसइन्फॉर्मेशन कैंपेन पर है। पूरा गोदी मीडिया इसमें लग गया। रिजिजू कह रहे हैं कि गरीब की मदद करेंगे। आप 10 साल से सत्ता में हैं, तब क्यों नहीं किया। बीजेपी शासित राज्यों में वक्फ बोर्ड नहीं बनाए गए, फिर कहते हैं कि ट्रांसपेरेंसी लाएंगे। ये देश को गुमराह, मिसलीड करना चाहते हैं। ये लोग आज सदन के पटल पर रख दें, पता लग जाएगा कितने इसके फेवर में हैं, कितने इसके अगेंस्ट हैं।

अदालत का सम्मान, फैसला स्वीकार नहीं

26 हजार भर्ती खारिज होने पर ममता बनर्जी के सख्त तेवर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में करीब 26 हजार टीचरों एवं अन्य स्टैफ की भर्ती को अवैध घोषित किए जाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राजनीति तेज हो गई है। इस मामले में भाजपा ने ममता बनर्जी से इस्तीफा मांगा है तो वहीं

सीपीएम का कहना है कि सरकार को तुरंत खाली पद भरने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। इस बीच ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया आई है और उन्होंने फैसले पर ही सवाल उठा दिए हैं। ममता ने कहा कि मेरे मन में न्यायपालिका के लिए बहुत सम्मान है, लेकिन हम इस जजमेंट को स्वीकार नहीं कर सकते। ममता बनर्जी ने इस दौरान भाजपा पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि बंगाल का पूरा एजुकेशन सिस्टम ही ध्वस्त हो जाए।

सभी जजों को करना होगा अपनी संपत्ति का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यायपालिका में पारदर्शिता और लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने पदभार ग्रहण करने के दौरान ही अपनी संपत्ति का ब्योरा पब्लिक करने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से यह फैसला 1 अप्रैल को की गई फुल कोर्ट मीटिंग में लिया गया है। इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया और यह भावी जजों पर भी लागू होगा। जजों ने यह भी कहा कि संपत्तियों से जुड़ी जानकारी सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। हालांकि, वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा करना स्वैच्छिक होगा। 'सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा करना होगा।

12 अवैध फार्महाउस पर चलाया गया बुलडोजर

फरीदाबाद (एजेंसी)। अवैध रूप से बनाए फार्महाउस और कॉलोनियों को तोड़ने का काम लगातार जारी है। इसी कड़ी में डीटीपी इंफोर्समेंट की टीम ने बुधवार को मौजाबाद और किडावली में बने 12 अवैध फार्म हाउसों को पूरी तरह से तोड़ दिया है। बता दें कि यमुना किनारे बसे इन गांवों की खेती योग्य जमीन पर लोगों ने अवैध रूप से फार्म हाउस का निर्माण कर दिया था। इसकी सूचना मिलते ही बुधवार को डीटीपी एन्फोर्समेंट की टीम मौके पर पहुंची और 12 फार्महाउसों को तोड़ दिया। इसके अलावा 50 बाउंड्री वॉल को भी गिरा दिया गया। डीटीपी

एन्फोर्समेंट राहुल सिंगला ने बताया कि इस तरह से कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। वहीं बड़खल चौक पर भी कार्रवाई हुई।

बंगाल की खाड़ी में सबसे लंबी तटरेखा हमारी है

बैंकॉक (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल यानी बिमस्टेक में अपनी जिम्मेदारी का एहसास है और वह आर्थिक और भू-राजनीतिक गतिविधियों से अवगत है। उन्होंने कहा कि भारत का

मानना है कि क्षेत्रीय सहयोग एक एकीकृत दृष्टिकोण है न कि चुनिंदा विषयों पर आधारित है। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल की खाड़ी में भारत की सबसे लंबी तटरेखा है। उनका यह बयान बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया और नोबेल पुरस्कार विजेता और

अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने चीन के दौरे पर कहा था कि भारत के पूर्वोत्तर के सात राज्य स्थलबद्ध (लैंड लॉक्ड) हैं, इसलिए बंगाल की खाड़ी और सटे हिन्द महासागर का वह अकेला संरक्षक है। माना जा रहा है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर का नवीनतम बयान कि बंगाल की खाड़ी में भारत की सबसे लंबी तटरेखा भारत की है यूनुस को तंज है।

महाराष्ट्र में अब शिंदे के पास जाएगी हर फाइल

● अजित पवार से ज्यादा हुई पावर ,सारी शिकायतें दूर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में बीते कई महीनों से चली आ रही खींचतान अब खत्म होती दिख रही है। पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे से मुख्यमंत्री पद की कुर्सी गई तो वह होम मिनिस्टर बनना चाहते थे, लेकिन वह भी नहीं मिला तो कुछ मंत्रालय लेकर डिप्टी सीएम बन गए। इसके बाद भी उनकी नाराजगी बनी ही रही। कभी प्रभारी मंत्रियों को लेकर तो कभी मंत्रालयों के फैसलों को लेकर वह खफा दिखते थे। एक मलाल यह भी रहा कि अजित पवार को उनसे ज्यादा तवज्जो दी जा रही है, लेकिन अब देवेंद्र फडणवीस सरकार में उनका कद बढ़ा दिया गया है। अब महाराष्ट्र सरकार के कामकाज

की कोई भी फाइल उनसे होकर ही सीएम देवेंद्र फडणवीस तक जाएगी। इस निर्णय से शिंदे खुश हो गए हैं।

ट्रंप के 26 फीसदी वाले झटके से भी खुश मोदी सरकार

● चीन को मात देने की उम्मीद, सरकार ने बनाया बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में घोषित 26 फीसदी जवाबी टैरिफ को लेकर मोदी सरकार ने संतुलित और सुनियोजित रुख अपनाने का फैसला किया है। ट्रंप सरकार के फैसले से भारत के श्रम-प्रधान उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। चीन, बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले भारत को बढ़त मिलेगी। सरकार इस प्रभाव का आकलन करने में जुटी है। प्रधानमंत्री कार्यालय में वाणिज्य मंत्रालय और अन्य विशेषज्ञों की उच्चस्तरीय बैठक चल रही है, जिसके बाद आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, भारत को चीन पर 54-79

फीसदी का प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है। इसी तरह, वियतनाम और बांग्लादेश के मुकाबले भी भारतीय कपड़ा निर्यात को मजबूती मिलेगी। यही वजह है कि चीन को पीछे छोड़ने की उम्मीद के साथ मोदी सरकार इसे न सिर्फ एक चुनौती के रूप में, बल्कि एक अवसर के तौर पर भी देख रही है। नाम न बताने की शर्त पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ट्रंप सरकार के टैरिफ वाले फैसले से कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्रों को अप्रत्याशित लाभ होगा। हालांकि, भारत इस फैसले को लेकर कोई जल्दबाजी में प्रतिक्रिया नहीं देगा। भारत अमेरिकी आयात पर जवाबी टैरिफ नहीं लगाएगा। प्रारंभिक आंकलन के मुताबिक, ऑटो कंपोनेंट्स, केमिकल्स, झींगा निर्यात और स्टील उद्योग पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, जबकि फार्मा सेक्टर मौजूदा स्थिति में कोई बड़ा नुकसान नहीं झेलेगा। एक अन्य अधिकारी ने कहा,भारत की प्रतिक्रिया संतुलित और पेशेवर होगी। कुछ देशों की तरह हम अमेरिकी आयात पर जवाबी कार्रवाई की धमकी नहीं देंगे।

जानलेवा होती जा रही हैं भारत की पटाखा फैक्ट्रियां

● इस साल अब तक 40 लोगों ने गंवाई अपनी जिंदगी ● गुजरात और पश्चिम बंगाल में हुए यह दर्दनाक हादसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल भारत में पटाखा फैक्ट्रियों में हुए हादसों के चलते लगभग 40 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इन हादसों की सबसे बड़ी वजह नियमों का पालन नहीं होना है। मंगलवार एक अप्रैल को गुजरात की एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका होने से 21 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए.रॉयटर्स के मुताबिक, धमाका इतना भयानक था कि कई मृतकों के शरीर के अंग 200-300 मीटर दूर एक खेत में बिखरे हुए मिले। ज्यादातर मृतक मध्यप्रदेश के हरदा और देवास जिले के रहने वाले थे।

एक हादसा पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में भी हुआ। यहां एक पटाखा फैक्ट्री और गोदाम में भीषण आग गई जिसकी चपेट में आने से एक परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार बच्चे भी शामिल थे। पुलिस ने फैक्ट्री मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों से जुटाई गई जानकारी के मुताबिक, इस साल पटाखा फैक्ट्रियों में हुए हादसों के चलते लगभग 40 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इससे पहले, फरवरी 2024 में मध्य प्रदेश की एक पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में 11 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 150 लोग घायल हो गए थे। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में स्थित सिवकासी को भारत में पटाखा निर्माण का केंद्र माना जाता है। विरुधुनगर में हजार से ज्यादा पटाखा फैक्ट्रियां हैं।

हादसों की सबसे बड़ी वजह नियमों का पालन नहीं होना- एक रिपोर्ट बताती है कि विरुधुनगर की लगभग आधी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर पटाखा निर्माण से जुड़ी हुई है। यहां की सूखी और गर्म जलवायु के चलते यहां पटाखा बनाना आसान होता है। यहां के पटाखा उद्योग ने साल 2020-21 में 112 करोड़ रुपए टैक्स में दिए थे। पटाखा फैक्ट्रियों में होने वाले हादसों की सबसे बड़ी वजह नियमों का पालन नहीं होना है। पिछले साल मध्य प्रदेश की जिस पटाखा फैक्ट्री में धमाका हुआ था, उसमें अनुमति से ज्यादा पटाखे बन रहे थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फैक्ट्री संचालकों के पास केवल 15 किलो विस्फोटक का लाइसेंस था लेकिन फैक्ट्री में इससे कई गुना ज्यादा बारूद रखा हुआ था। इस फैक्ट्री में पहले भी हादसे हो चुके थे लेकिन फिर भी पटाखे बनाने का काम नहीं रोका गया था। साल 2021 में विरुधुनगर की एक पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में 27 लोगों की मौत हो गई थी। इसकी जांच के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने एक कमेटी बनाई थी।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी से विवाद के बाद राजमिस्त्री ने खाई चूहा मारने की दवा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। काजीमोहम्मदपुर थाना क्षेत्र में जेनिथ पेट्रोल पंप के पीछे मोहल्ले में पत्नी से विवाद के बाद मंगलवार की रात एक युवक ने चूहा मारने की दवा खा ली। जानकारी मिलने पर परिजन परेशान हो गए। सूचना पर गश्ती पुलिस पदाधिकारी सुदर्शन कुमार ने युवक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से डॉक्टर ने उसे एसकेएमसीएच रेफर कर दिया। फिलहाल युवक खतरे से बाहर बताया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पत्नी से विवाद के बाद चूहा मारने की दवा खाने की बात सामने आई है। बताया गया कि लालबाबू दास साहेबगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वह राजमिस्त्री है। पत्नी झाड़ू पोछा का काम करती है। पिछले दो साल से लालबाबू दास काजीमोहम्मदपुर थाना क्षेत्र में अघोरिया बाजार और रामदयालु रोड स्थित मोहल्ले में पत्नी व दो बच्चों के साथ किराए के मकान में रह रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पत्नी के अक्सर फोन पर बात करने को लेकर दोनों के बीच लड़ाई होती है। मंगलवार रात भी दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद लालबाबू दास ने चूहा मारने की दवा खा ली। वहीं, पुलिस की पूछताछ में पत्नी ने बताया कि वह फोन पर अपने मायके बात करती है। इधर, काजीमोहम्मदपुर थानेदार जय प्रकाश सिंह ने बताया कि युवक का फर्दबयान होने के बाद आगे की कारवाई की जाएगी।

सदर अस्पताल में सीसीयू भवन को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सदर अस्पताल में बनने वाले क्रिटिकल केयर यूनिट भवन के लिए प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने इस बारे में बीएमएसआईसीएल को पत्र भेज दिया है। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री स्वास्थ्य आधारभूत योजना से सदर में यह भवन बनेगा। सदर अस्पताल में बनने वाली सीसीयू 100 बेड का होगा। इसे बनाने में 44 करोड़ 50 लाख की राशि खर्च की जाएगी। वर्ष 2022 में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान सदर अस्पताल में सीसीयू बनाने का प्रस्ताव तैयार हुआ था। पुराने एमसीएच भवन को तोड़कर यहां सीसीयू बनाया जाना था। स्वास्थ्य विभाग ने बीएमएसआईसीएल को निर्देश दिया है कि सीसीयू का निर्माण किसी अन्य योजना से नहीं कराएं। इसके अलावा कार्य के भुगतान से पहले भवन का भौतिक सत्यापन कर लिया जाए। सदर में सीसीयू बनने से गंभीर मरीजों को एसकेएमसीएच या दूसरे सेंटर रेफर नहीं किया जाएगा। दिल और दूसरी गंभीर बीमारियों के मरीजों का इलाज सीसीयू में हो सकेगा। अभी मुजफ्फरपुर में सिर्फ एसकेएमसीएच में ही सीसीयू है।

पटना में सुबह-सुबह लग गई आग, सिलेंडर रिसाव के बाद अगलगी में 4 दुकानें खाक

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में सुबह-सुबह अगलगी की बड़ी घटना हुई है। पटना से सटे दानापुर के रूपसपुर थाना क्षेत्र के गोला रोड मोड़ के पास गुरुवार की सुबह एक चाय दुकान में सिलेंडर रिसाव से आग लग गई। इस अगलगी में चार आसपास की दुकानें जलकर राख हो गई हैं। आग लगने के बाद वहां अफरातफरी की स्थिति बन गई। इस अगलगी की जो तस्वीर सामने आई है उसमें नजर आ रहा है कि आग की लपटें काफी उपर उठ रही हैं। काफी दूर से ही आसमान में उठते काले धुएं को देखा जा सकता था।

प्रदेश में 32 हजार शिक्षकों को 3 महीने से नहीं मिला वेतन

पटना, एजेंसी। बिहार में नियोजित से सरकारी शिक्षक घोषित हुए करीब 32 हजार को पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है। ये सभी सक्षमता परीक्षा-1 उत्तीर्ण होने के बाद विशिष्ट शिक्षक बने थे। एक जनवरी, 2025 के प्रभाव से इन सभी को नया वेतनमान दिया जाना है। शिक्षा विभाग इसको लेकर जिलों से निरंतर समीक्षा कर रहा है, पर अभी तक शत-प्रतिशत को वेतन नहीं दिया जा सका है। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, एक लाख 72 हजार से अधिक शिक्षक सक्षमता परीक्षा-1 उत्तीर्ण होने के बाद विशिष्ट शिक्षक बने हैं। इनमें एक लाख 50 हजार विशिष्ट शिक्षकों के नया वेतन से संबंधित सारी प्रक्रिया पूरी कर वेतन भुगतान का आदेश संबंधित जिलों को दे दिया गया है। इन शिक्षकों का डाटा एचआरएमएस पोर्टल ऑन बोर्डिंग कर दिया गया है। इनमें एक लाख 40 हजार को वेतन का भुगतान भी कर दिया गया है। जिलों को निर्देश है कि सभी को वेतन का भुगतान शीघ्र करें।

सक्षमता-2 के शिक्षकों के मामले में शीघ्र कार्रवाई का निर्देश

शिक्षा विभाग ने सक्षमता परीक्षा-2 उत्तीर्ण शिक्षकों के वेतन भुगतान से संबंधित कार्रवाई शीघ्र पूरा करने का निर्देश जिलों को दिया है। विभाग ने कहा है कि विशिष्ट शिक्षकों को प्रान नंबर आवंटित करें। इसके बाद ही विशिष्ट शिक्षकों का डाटा एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑन बोर्डिंग करने की कार्रवाई विभाग के स्तर से की जाएगी। सक्षमता परीक्षा-2 उत्तीर्ण शिक्षकों की संख्या 65 हजार है।

एक मार्च को 58 हजार से अधिक नियोजित शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक का नियुक्ति पत्र सौंपा गया है। मालूम हो कि सक्षमता परीक्षा-1 में कुल एक लाख 87 हजार नियोजित शिक्षक उत्तीर्ण हुए थे। इसके बाद इनके प्रमाणपत्रों आदि की जांच कर एक लाख 72 हजार से अधिक विशिष्ट शिक्षक के रूप में नियुक्ति पत्र दिया गया है। अपने ही विद्यालय से ये सभी शिक्षक नये सिरे से सरकारी शिक्षक के रूप में योगदान दिये हैं।

पटना के महावीर मंदिर में रामनवमी पर बड़ी तैयारी, रात में ही खुल जाएगा गर्भगृह, 12 बजे मुख्य पूजा

पटना, एजेंसी। रामनवमी में पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए शनिवार की रात दो बजे मंदिर के मुख्य गर्भगृह में जागरण आरती होगी। इसके बाद सवा दो बजे से गर्भगृह का पट भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा, जहां वे दो विग्रहों (महावीर और हनुमान) की पूजा-अर्चना और दर्शन कर सकेंगे। रविवार को 12 बजे मंदिर में श्रीराम जन्मोत्सव पर पुष्पवर्षा होगी। इसके अलावा मंदिर में ध्वज परिवर्तन, जन्मोत्सव आरती, प्रसाद वितरण किया जाएगा। रामनवमी पर मंदिर में दो लाख से ज्यादा भक्तों के पहुंचने की उम्मीद मंदिर प्रबंधन को है।

एलईडी स्क्रीन पर लाइव होगा: वीर कुंवर सिंह पार्क से लेकर महावीर मंदिर परिसर तक भक्तों को धूप से बचाने के लिए पंडाल बनाया गया है और उसमें पंखा लगाया गया है। इसके अलावा पानी, शर्बत और मोबाइल शौचालय की भी जगह-जगह व्यवस्था की गई है। लाइव दर्शन के लिए वीर कुंवर सिंह पार्क से लेकर मंदिर तक भक्त मार्ग और मंदिर परिसर तक कुल 14 बड़े एलईडी स्क्रीन लगाए गए हैं।

दोपहर 12 बजे होगी मुख्य पूजा : रामनवमी के दिन रविवार को मुख्य ध्वज स्थल पर सुबह 12 बजे से पूजन प्रारंभ होगा। पूजा के बाद आरती होगी। इसके बाद पुष्प वर्षा होगी। मध्याह्न 11.50 से 12 तक भगवान राम का जन्मोत्सव होगा। मंदिर की ओर से प्रकाशित हनुमान चालिसा की दो लाख प्रतियां वितरित की जाएंगी।

दुष्कर्म के फरार आरोपी को 9 दिन में दबोचा: किशनगंज के घर से गिरफ्तार

एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में एससी-एसटी थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म और एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामले में आरोपी बाबूलाल कर्मकार को गिरफ्तार कर लिया है। कांड दर्ज होने के मात्र 9 दिनों के भीतर पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तारी

एससी-एसटी थानाध्यक्ष दीपू कुमार ने बताया कि आरोपी बाबूलाल कर्मकार को उसके घर से गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पीड़िता ने 21 मार्च को प्राथमिकी दर्ज करवाई गई थी। जिसमें आरोपी पर दुष्कर्म करने और पीड़िता के पिता के साथ अभद्र व्यवहार करने, जातिसूचक गालियां देने का आरोप लगाया गया था।

इस तरह दिया गया घटना को अंजाम

प्राथमिकी के अनुसार, आरोपी व्यक्ति पीड़िता के गांव में आता-जाता था और पीड़िता के विरोध करने के बावजूद उसे अकेला देखकर परेशान करता था। 10 फरवरी को जब वह अपने घर में काम कर रही थी। तभी आरोपी जबरन घर में घुस आया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

दुष्कर्म की शिकार पीड़िता न्याय के लिए एससी-एसटी थाना पहुंची थी, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी। मंगलवार की रात पुलिस को आरोपी के घर पर मौजूद होने की सूचना मिली, जिसके बाद छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा। एससी-एसटी थानाध्यक्ष दीपू कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी सबूतों को एकत्र किया जा रहा है। आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाहुबली पर हमले के लिए हुई थी 10 साल की सजा, गैंगवार में दोनों ने खोए रिश्तेदार

पटना, एजेंसी। बिहार के मशहूर पहलवान %बिहार केसरी% विवेकानंद सिंह (70) का निधन हो गया। उन्होंने पटना के आरोग्य अस्पताल में 2 अप्रैल की देर रात अंतिम सांस ली। विवेका पहलवान के नाम से जाने जानेवाले विवेकानंद सिंह को 27 मार्च को हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अंतिम संस्कार बाढ़ के उमानाथ सती स्थान में होगा। अनंत सिंह के एक्स पर विवेका पहलवान के निधन के बाद शोक व्यक्त किया गया है। विवेका पहलवान और मोकामा बाहुबली अनंत सिंह की दुश्मनी किसी से छिपी नहीं थी। विवेका पहलवान ने मोकामा में अनंत सिंह को खुली चुनौती दी थी। 2004 में अनंत सिंह पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसका आरोप विवेका पहलवान पर लगा था। बाद में इस केस में उन्हें 10 साल की सजा हुई थी।

6 दिन अस्पताल में भर्ती रहे थे अनंत सिंह

अनंत सिंह और विवेका पहलवान रिश्तेदार थे, लेकिन नदमा गांव 2004 में अनंत सिंह के घर पर ताबड़तोड़ गोलियां चली थीं। बताया जाता है

अनंत सिंह पर गोलियां बरसाने वाले विवेका पहलवान की मौत

कि अनंत सिंह अपने साथियों के साथ छत पर सोए थे। तभी उन पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में अनंत सिंह को गोली पीठ में लगी और वो सीने तक पहुंच गई थी। अनंत सिंह के भाई दिलीप सिंह बाहुबली को आनन-फानन में पटना लेकर पहुंचे थे। खजांची रोड के आलोक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। अनंत सिंह का ऑपरेशन करना था, लेकिन ऑपरेशन से पहले अस्पताल में फोन से धमकी दी गई थी। कहा गया अगर अनंत का ऑपरेशन हुआ तो सबको मार दिया जाएगा। अनंत के भाई दिलीप सिंह ने अपने देख रेख में ऑपरेशन कराया था। अनंत सिंह इस दौरान 6 दिन अस्पताल में भर्ती रहे थे। हमले का सारा आरोप विवेका पहलवान पर लगा था। इस मामले में विवेका पहलवान को 10 साल की सजा हुई थी।

गैंगवार में दोनों ने अपने रिश्तेदारों को खोया

बताया जाता है कि दोनों के बीच हुए गैंगवार में दोनों ने अपने करीबियों को खोया। अनंत सिंह के बड़े भाई फाजो सिंह और विरंची सिंह की हत्या गैंगवार में हुई। विवेका पहलवान के भाई संजय सिंह की भी हत्या गैंगवार में ही हुई थी। अनंत सिंह के भाई विरंची सिंह की जब हत्या हुई तो दोनों गुटों में गैंगवार और बढ़ गया। 1995 के विधानसभा चुनाव में अनंत सिंह के घर पर हमला हुआ था जिसमें अंधाधुन गोलीबारी दोनों तरफ से हुई थी। अनंत सिंह के बहनोई की भी मौत हो गई थी।

नीलम देवी की विवेका पहलवान ने की थी मदद

बाद के दिनों में अनंत सिंह और विवेका पहलवान के बीच सुलह हो गई थी। एके 47 मामले में जब अनंत सिंह जेल गए और विधायकी खत्म हुई तो मोकामा में विधान सभा का उपचुनाव हुआ, अनंत ने अपनी पत्नी नीलम देवी को उपचुनाव में खड़ा करवाया। उस चुनाव में विवेका पहलवान ने अनंत सिंह की मदद की थी और नीलम देवी चुनाव जीत गई थीं।

दानापुर मंडल के हाल्ट पर ट्रेनों का अस्थायी ठहराव बढ़ा

नालंदा, एजेंसी। दानापुर मंडल के चम्पापुर हाल्ट, सालिमपुर बिहार हाल्ट एवं करौटा स्टेशन पर दिये गये विभिन्न ट्रेनों का अस्थायी ठहराव 30 अप्रैल तक बढ़ाया गया है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दानापुर मंडल के पटना-बख्तियापुर रेलखंड पर स्थित चम्पापुर हाल्ट, सालिमपुर बिहार हाल्ट एवं करौटा स्टेशन पर निम्नलिखित ट्रेनों के दिये गये अस्थायी ठहराव को 30 अप्रैल, 2025 तक बढ़ाया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. चम्पापुर हाल्ट - गाड़ी सं. 63207/63212 झाझा-पटना-झाझा मेमू, 13207/13208 जसीडीह-पटना-जसीडीह एक्सप्रेस एवं 53227 मोकामा-पटना पैसेंजर का अस्थायी ठहराव ।

2. सालिमपुर बिहार - गाड़ी सं. 63209 देवघर-पटना मेमू एवं 63212 पटना-झाझा मेमू का अस्थायी ठहराव ।

भोजपुर में तीन भाइयों की बेहरमी से पिटाई : मिठाई के दुकान से गल्ला लेकर

आरा (भोजपुर), एजेंसी। आरा शहर के नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गांव में मिठाई की दुकान पर पैसे से भरा बक्सा (गल्ला) छिनने के विवाद को लेकर तीन भाइयों को बदमाशों ने छनौटा,लाठी-डंडा से जमकर पिटाई कर दी। मारपीट की घटना में तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद अन्य लोगों के बीच बचाव के बाद मामले को शांत कराया गया और तीनों जख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया,जहां डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चल रहा है। जख्मियों में नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गांव निवासी स्व. धर्म दयाल यादव के तीन बेटे सुमंत कुमार (35),आदित्य कुमार (32) और मुकेश कुमार यादव (30) शामिल हैं। इधर, घटना की जानकारी देते हुए जख्मियों के चाचा बंशी यादव ने बताया कि मेरे भतीजे बहिरो लख के पास मिठाई का दुकान कई वर्षों से चलाते है।

पत्थर बरसाए फिर अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को ले गए, बिहार में पुलिस पर फिर हमला

पटना, एजेंसी। बिहार में पुलिस पर हमले नहीं रुक रहे हैं। जहानाबाद के शकूराबाद थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में अवैध बालू लदा ट्रैक्टर पकड़ने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने पथराव कर गाड़ी को छुड़ाकर ले भागने में सफल रहे मिली जानकारी के अनुसार डायल 112 नंबर की पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि इब्राहिमपुर नदी से अवैध रूप से बालू का उठाव कर एक ट्रैक्टर जा रही है। सूचना पर 112 की पुलिस घटनास्थल पर जैसे ही पहुंची पुलिस की गाड़ी देख ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर भागने लगा। पुलिस ने घेर कर ट्रैक्टर जैसे ही पकड़ने के लिए आगे बढ़ी अपने को पुलिस से घिरा देख ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को छोड़कर फरार हो गया। हालांकि, बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर जब पुलिस थाने लाने के लिए प्रयास कर रही थी तभी ट्रैक्टर मालिक निरंजन सिंह संजय कुमार सहित काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई तथा ग्रामीणों ने पुलिस के साथ गाली गलौज व नोंक झोंक करने लगे। हालांकि, एक ही गाड़ी से पुलिस टीम रहने के कारण ग्रामीणों की भीड़ को देखते हुए और पुलिस बल बुलाने के लिए थाने को सूचना किया थाने से अतिरिक्त बल वहां पहुंचने के पहले ट्रैक्टर मालिक के द्वारा ट्रैक्टर को वहां से ले भगाकर छिपा दिया गया।

पासवान फैमिली में 90 बीघा जमीन-मकान को लेकर घमासान

बेटी बोली-50 साल से मां रह रही, पिता की मौत के बाद चाचा चाहते हैं हिस्सा

पटना, एजेंसी। पार्टी में दो फाड़ होने के करीब साढ़े 3 साल बाद पासवान फैमिली में अब संपत्ति पर विवाद शुरू हो गया है। विधानसभा चुनाव से पहले एक बार दिवंगत रामविलास पासवान की फैमिली सुर्खियो में है। इस बार मामला उनकी पैतृक संपत्ति पर कब्जे का है। मामला पुलिस थाने तक पहुंच गया है। दिवंगत रामविलास की पहली पत्नी राजकुमारी देवी ने देवरानी पशुपति पारस की पत्नी शोभा देवी और स्व. रामचंद्र पासवान की पत्नी सुनैना देवी पर मानसिक तौर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। खगड़िया के अलौली थाना में एफआईआर भी दर्ज कराई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। वहीं बिहार भ्रमण पर निकले पशुपति पारस ने इसे पूरे मामले को पॉलिटिकल माइलेज लेने के लिए एक ड्रामा करार दिया है। उन्होंने कहा, 'ये पूरा मामला जमीन बंटवारे का है।' चिराग पासवान फिलहाल दिल्ली में हैं और उन्होंने इस प्रकरण पर किसी तरह का कोई बयान नहीं दिया है। वे अपनी पार्टी के नेताओं के माध्यम से पूरे मामले की जानकारी ले रहे हैं। अपनी बड़ी बहन को उन्होंने पटना से मां के पास गांव भेजा है।

पहले जमीन पर कब्जा किया, अब घर से बेदखल करना चाहते हैं : रामविलास पासवान और उनकी पहली पत्नी की बड़ी बेटी आशा देवी ने बताया, 'जब तक पिता रामविलास पासवान थे, सबकुछ सही चल रहा था। किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं था। गांव शहरबन्नी के माकान और करीब 90 बीघा पुस्तैनी जमीन की देखरेख की पूरी जिम्मेदारी मां राजकुमारी देवी ही करती थी।'

उन्होंने बताया, 'पिछले 50 साल से इसकी कस्टोडियन मां ही थी। उनके अलावा कोई गांव के घर में नहीं रहता था। परिवार के बाकी लोग खगड़िया, पटना या फिर दिल्ली रहते थे। किसी

खास मौके पर घंटा- दो घंटा के लिए आते थे। इसके बाद निकल जाते थे।' 'पिता की मौत के बाद ही परिवार का रुख बदल गया। सबसे पहले इन्होंने बिना बंटवारे के ही सारी जमीन पर कब्जा कर लिया। पहले उससे जितना पैदावर होता था उसका हिसाब मां के पास आता था लेकिन 2-3 साल पहले अचानक ये सब चाचा ने अपने कब्जे में लिया।% अब ये लोग घर पर भी कब्जा करना चाहते हैं। दो मंजिला मकान में कुल 5 कमरे हैं। इनमें 3 कमरा नीचे और 2 कमरा ऊपर है। ऊपर का कमरा ज्यादा अच्छा है। मां उसी कमरे में रहती हैं। ये लोग उसी कमरे पर कब्जा जमाना चाहते हैं। यही विवाद का कारण है।

शहरबन्नी, खगड़िया, पटना और दिल्ली की जमीन में हिस्सा चाहिए : बुधवार को रामविलास पासवान की पहली पत्नी राजकुमारी देवी ने शहरबन्नी स्थित पैतृक आवास पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि शहरबन्नी, चातर, खगड़िया, पटना और दिल्ली में जो जमीन है, उसका कागजी बंटवारा कर लिया जाए। हमें कोई आपत्ति नहीं है। छह साल पहले दोनों पक्षों ने गांव की 50 बीघा जमीन अपने कब्जे में ली थी। हमने तब भी विरोध नहीं किया। राजकुमारी ने कहा कि मेरे साथ जो घटना हुई, उसे पारस गुट के लोग राजनीतिक रंग दे रहे हैं। मीडिया में झूठ फैलाया जा रहा है। रामविलास पासवान के निधन के बाद से चिराग पासवान ही हमारी देखभाल कर रहे हैं। कई बार उन्होंने पैसे भी भेजे। पहली बार जब पैसे भेजे, तो दिल भर आया था। अब तबीयत में सुधार है। तीन दिन बाद आज खाना खाए हैं। पैतृक संपत्ति में 30 बीघा जमीन मेरी दोनों गोतनी (शोभा देवी, सुनैना देवी) के पास है और 20 बीघा मेरे पास। अब मुझे शहरबन्नी, खगड़िया, पटना और दिल्ली की संपत्ति में हिस्सा चाहिए। यह घर तीनों भाइयों ने मिलकर बनाया है। खेत और बाकी संपत्ति में भी हमें हिस्सा चाहिए।

विवाद क्यों हुआ : आशा ने बताया, 'हर बार की तरह दोनों चाची शोभा देवी और सुनैना देवी शहरबन्नी गांव आई। उनके खाने और रहने की व्यवस्था मां रामकुमारी देवी ने ही की। शाम में जब वे निकलने लगीं तो दोनों ने उनके कपड़े, दवाइयां और जरूरी सामान कमरे से निकाल कर उसमें ताला जड़ दिया।' उन्होंने कहा, 'घर में उनका भी अधिकार है। आप नीचे के तीन कमरे में रहिए। ये दो कमरों पर अब हमारा कब्जा रहेगा। 75 वर्षीय राजकुमारी देवी इसी कमरे में रहती थी।

वक्फ संशोधन विधेयक पास होने के बाद मां के पास आएंगे चिराग

इस पूरे मामले में चिराग पासवान अभी तक खामोश हैं। उनका एक भी बयान सामने नहीं आया है। उनके बहनोई मृणाल शेखर पासवान ने बताया, 'घटना की जानकारी मिलने के बाद उनका फोन आया। तुरंत भगिना को उन्होंने नानी के पास भेजा। पूरे मामले की जानकारी ली। वक्फ संशोधन विधेयक पास होने के बाद वे मां से मिलने के लिए शहरबन्नी आएंगे।'

पारस के प्रवक्ता ने कहा, चिराग ड्रामा कर रहे हैं

वहीं, इस पूरे मामले पर अपना पक्ष रखने के लिए पशुपति पारस ने रालोजपा के प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल को आगे किया है। उन्होंने कहा, 'पारिवारिक मामले को राजनीतिक लाभ लेने के लिए तूल दिया जा रहा है। आज तक शहरबन्नी में पुलिस रामविलास पासवान के घर की सुरक्षा के लिए पहुंचती थी। चिराग पासवान ने उसी घर में पुलिस को घुसा दिया। 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के मौके पर पटना में पशुपति पारस के कार्यक्रम को असफल करने के लिए ये साजिश रची जा रही है।'

संक्षिप्त समाचार

स्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा रही शांतिपूर्ण

बीएनएम। मोतिहारीः बी.आर.ए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सी.बी.सी.एस) तृतीय सेमेस्टर, सत्र -2023-27 की परीक्षा दिनांक- 03/04/2025 से प्रारंभ हो गई । मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी परीक्षा केंद्र को एस.आर.ए.पी कॉलेज चकिया, एम.एस.एस.जी कॉलेज, अरेराज और डॉ. एस.के.एस विमेंस कॉलेज, मोतिहारी के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा का केंद्र बनाया गया है । प्रथम पाली में मेजर राजनीति विज्ञान, मेजर रसायनशास्त्र, मेजर दर्शनशास्त्र, मेजर अंग्रेजी, मेजर गृह विज्ञान की परीक्षा हुई । पहली पाली में उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 1276 रही। वहीं दूसरी पाली में मेजर उर्दू, मेजर वनस्पति विज्ञान, मेजर अकाउंटिंग एंड फाइनेंस, मेजर अर्थशास्त्र, मेजर संस्कृत और मेजर भूगोल विषयों की परीक्षा हुई । दूसरी पाली में उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 1189 रही । परीक्षा कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न हुई। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव के हवाले से मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खेल प्रति बढ़ावा देने के लिए बल रहे खेल मैदान

बीएनएम। कोटवाः बिहार सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के प्रति खेल में बढ़ावा देने के लिए पंचायत स्तर पर खेल मैदान बन रहा है।ग्रामीण इलाकों में बास्केट बॉल,भोली बॉल टेनिस बोल खेल के प्रति युवाओं का प्रतिभा सामने आए।इसके लिए सरकार ने मनरेगा के माध्यम से बास्केटबॉल कोर्ट भोली बॉल कोर्ट बना रही है।अभी तक प्रखंड क्षेत्र के राजापुर अहिरौलिया में ग्राउंड बनाने का कार्य अंतिम चरण में है।।सरकार जहां युवाओं को खेल के आगे आने से युवाओं शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है।वही बुजुर्गों के स्वास्थ्य बेहतर हो उसके लिए भी रनिंग ट्रैक बनवा रही है।इस योजना के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर चार प्रकार के खेल के प्रति युवा उभरे इसके लिए सरकार द्वारा खेल मैदान बनवाया जा रहा है।अभी तक ग्रामीण स्तर पर बास्केट बॉल को नहीं खेल पाए थे।मुख्य रूप से संसाधन के अभाव में बहुत सारे बच्चे का प्रतिभा धरी की धरी रह जाती है।लेकिन अब ग्रामीण स्तर के बच्चे को भी राष्ट्रीय स्तर के खेल के भाग लेने के लिए गांव में ही संसाधन सरकार उपलब्ध करा रही है।इस संबंध में मनरेगा पीओ राजेश कुमार से पूछे जाने पर बताया कि युवाओं को इन खेलो के प्रति जागरूक हो इसके लिए सभी पंचायतों में खेल ग्राउंड बनवाया जा रहा है।ग्रामीण इलाकों में बहुत लोगो को पता भी नहीं है कि यह बास्केट बॉल इत्यादि खेल कैसा है।लेकिन आज नहीं लेकिन आने वाले आठ दस सालों में इसी ग्रामीण इलाके के बच्चे भी राष्ट्रीय स्तर पर खेलेंगे।

मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष के द्वारा मैराथन दौड़ का हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। मारवाड़ी युवा मंच मोतिहारी शाखा के अध्यक्ष कृष्णा राजगढ़िया के सौजन्य से स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हेतु पांच किलोमीटर का मिनी मैराथन दौर का हुआ आयोजन। जिसमें राहुल अग्रवाल अभिषेक अग्रवाल अनिरुद्ध लोहिया सचिव अमित अग्रवाल कोषाध्यक्ष विपुल जालान के साथ साथ मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यगण एवं बाहरी टीम से भी कुछ सदस्य शामिल थे। नए सत्र के अध्यक्ष बनने के साथ ही कृष्णा राजगढ़िया ने सर्वप्रथम अपने सदस्यों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम का आयोजन किया एवं यह नारा दिया कि पहले हम स्वस्थ होंगे तभी तो हम कोई काम करेंगे। जितना हमारा शरीर स्वस्थ होगा उतना ज्यादा हम समाज के लिए देश के लिए कारगर होंगे। अतः सर्व प्रथम हमारी प्राथमिकता स्वास्थ्य पर ध्यान है। साथ ही उचित खानपान पर भी विशेष नजर रहेगी। सभी सदस्यों को एवं समाज के लोगों को यह समझाना होगा।खानपान कैसा होना चाहिए? ऐसा नहीं होना चाहिए कि हमें जो मिल गया वही खा लें। हमें खाते समय इस बात का ध्यान रखना होगा कि हमें क्या खाना है। जिससे हमारा स्वास्थ्य प्रभावित न हो।इसी के साथ ही गांधी मैदान में मिनी मैराथन का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

रामनवमी पर्व के शांति पूर्ण आयोजन को लेकर जिलाधिकारी ने टाऊन थाना में की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा रामनवमी पर्व एवं रामनवमी जुलूस के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर मोतिहारी स्थित नगर थाना में नगर की सभी पूजा समितियों के साथ बैठक की गई। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक, सदर अनुमंडल पदाधिकारी एवं नगर थाना के थाना प्रभारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।बैठक में उपस्थित पूजा आयोजन समिति के सदस्यों को जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि रामनवमी जुलूस निकालने के लिए लाइसेंस लेना जरूरी होगा।अनुमति लेने वाले व्यक्ति को इसके लिए आधार कार्ड एवं पैन कार्ड अनिवार्य रूप से देना होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि रामनवमी जुलूस का मार्ग चिन्हित किया जाएगा और सभी पूजा समितियों को जुलूस के लिए चिन्हित मार्ग का अनुपालन हर हाल में करना होगा।जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी को निर्देश दिया कि जुलूस के मार्ग का सत्यापन निश्चित रूप से कर लेंगे एवं रास्ते में पड़ने वाले धार्मिक स्थलों को चिन्हित कर लेंगे, जहां विशेष तौर पर पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। डीएम ने कहा कि जुलूस के दौरान ड्रोन कैमरा का प्रयोग किया जाए एवं जुलूस की वीडियोग्राफी भी कराई जाए। जुलूस के साथ अग्निशमन दल एवं मेडिकल टीम की व्यवस्था रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि रामनवमी के अवसर पर डीजे का प्रयोग बिल्कुल प्रतिबंधित रहेगा। जुलूस में कोई भी व्यक्ति धारदार हथियार लेकर नहीं चलेगा और धारदार हथियारों के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखी जाएगी।जिलाधिकारी के द्वारा कहा गया कि जुलूस निकालने वाले संगठन 10 से 15 वॉलिंटियर्स की टीम बना ले एवं उनका मोबाइल नंबर स्थानीय थाना एवं अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय को उपलब्ध करा दें ताकि इनसे संपर्क बना रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विभिन्न धार्मिक संगठनों के उपस्थित कार्यकर्ताओं से वार्ता कर उनसे भी जानकारी प्राप्त की एवं उनके द्वारा रखी गई मांगों को जिलाधिकारी ने अनुपालन कराने का निर्देश दिया। डीएम ने आस्वस्थ किया कि जिला प्रशासन शांतिपूर्ण और सुरक्षित जुलूस निकलवाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

जहां प्रेम है वहीं परमात्मा है जहां भाव है वही भगवान हैः संत छोटे बापूजी

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में चल रहे 54वां सदुरु महायज्ञ एवं श्रीराम कथा के पांचवें दिवस राष्ट्रीय संत छोटे बापूजी महाराज ने अपने प्रवचन में भक्तों को बताया कि सारा संसार चराचर भगवान के बस में है परंतु भगवान भक्तों के बस में होते हैं जैसे हनुमान जी भगवान को अपने बस में करके रखते हैं। अपने बस करि राखेउ रामू भाव से भगवान को बस किया जा सकता है इसलिए अपने अंतः करण में भाव प्रेम की प्रतिष्ठा करना चाहिए। भाव की ही प्रधानता है दशरथ कौशल्या जी के जीवन में जो परमात्मा विराट है सर्व समर्थ है वह बालक बनाकर के आज कौशल्या जी के गोद में खेल रहे हैं यह प्रेम ही तो है जहां प्रेम है वहीं परमात्मा है और जहां प्रेम नहीं है वहां सब पराया है जहां भाव है वही भगवान है जहां भाव नहीं है वहां भय है जहां विश्वास है वही ब्रह्म है जहां विश्वास नहीं है वहां भ्रम है संत श्री ने कहा कि राम कथा कहती है विश्वास प्रेम भाव से युक्त होकर भगवान की उपासना करना चाहिए। संसार को संबंध की मधुरता का दर्शन करते हुए भगवान ने बड़ी सुंदर बाल लीलाएं की माता कौशल्या भगवान श्री राम की सेवा स्वयं करती हैं भगवान है इस भाव से नहीं पुत्र भाव से क्योंकि जो माता अपने संतान की सेवा अपने हाथों से करती है वह संतान बड़ा होकर के अपने हाथों से माता-पिता की सेवा करता है कई लोग कहते हैं भगवान का दर्शन हो सकता है क्या ऐसे में वेद पुराण उपनिषद सब एक स्वर में रहते हैं हां हो सकते हैं पर पहचान के लिए आपके पास दृष्टि होना चाहिए भगवान एक नहीं अनेक रूप से हमारे आपके घर-घर में विराजमान है बस देखने के लिए आप चाहिए वेद भगवान कहते हैं माता-पिता गुरु यह भगवान के ही स्वरुप है बस हमें हमारी भावना उनके प्रति भक्ति से युक्त हो मातृ देवो भव पितृ देवो भव आचार्य देवो भव अतिथि देवो भवः भगवान के तीन गुण बताए गए हैं उत्पत्ति करना पालन करना संघार करना इस शरीर को उत्पन्न माता-पिता ने किया है पालन माता-पिता ने किया है जीवन के दोष दुर्गुणों का संघार माता-पिता के द्वारा होता है तो क्या माता-पिता भगवान नहीं हुए इसलिए भगवान श्री रामचंद्र ने माता-पिता गुरु को प्रणाम करके जगत को बताया कि तुम भी उनकी सेवा इनको प्रसन्न करके भगवान के दर्शन, भगवान की सेवा का फल प्राप्त कर सकते हो अपने माता-पिता को भागवत रूप मानकर के उनकी सदा सेवा करें विश्वामित्र जी की यज्ञ की रक्षा भगवान करते हैं मिथिला में भगवान का आगमन हुआ जनक जी ने अतिथि बनाकर उनका सतकार किया। आज के श्री राम नाम संकीर्तन सीता देवी ओंकार नाथ जालान सेवा संस्थान के विनोद जालान आयोजक रहे, वहीं आज के श्री राम कथा के यजमान मधु पदमा श्रीमद् भागवत कथा के आयोजक अमित कुमार ने सपत्नीकनी व्यास पूजन किया और पांचवें दिवस के श्री राम कथा का विधिवत दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ मोतिहारी चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अंगद सिंह, आश्रम अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा, सचिव डॉक्टर जय गोविंद प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया।

मोतिहारी में चलती लग्जरी बस में लगी आग,बाल-बाल बचे 150 यात्री

बीएनएम। मोतिहारी

सुपौल से दिल्ली जा रही शिवमहिमा नामक एक लग्जरी बस में आग लग गई और देखते ही देखते पूरा बस जलकर राख हो गया।घटना पीपराकोठी थाना क्षेत्र स्थित एनएच 27 पर बंगरी रेलवे ओवर ब्रिज के उपर हुई है। घटना के वक्त बस पर 150 यात्री सवार थे। बस में आग लगने की खबर मिलते ही यात्रियों को बाहर निकालने का काम शुरू कर दिया गया। सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकल आए। यात्रियो के अनुसार बस में कुछ जलने की गंध तीन किलोमीटर पहले से ही महसूस हो रही थी।घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की विकरालता को देख अग्निशमन टीम को सूचित किया,जिसने भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक बस पूरी तरह से जल चुकी थी।

आलू के झोले में नशीली कफ सिरप ले जाते नाबालिग गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर नेपाल पुलिस ने एक नाबालिग को नशीली कफ सिरप की तस्करी करते गिरफ्तार किया है। युवक टमटम गाड़ी से रक्सौल से बीरगंज जा रहा था। जांच के दौरान शंकराचार्य गेट के पास सुरक्षा बलों को शक हुआ, जिसके बाद उसके झोले की गहन जांच की गई। झोले के ऊपरी हिस्से में आलू रखा था, जबकि अंदर नशीली कफ सिरप छिपाई गई थी। नेपाल पुलिस ने तुरंत युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। युवक की पहचान नेपाल के महागढ़ी माई नगरपालिका वार्ड संख्या 14 निवासी के रूप में हुई है। पुलिस का मानना है कि यह तस्करी किसी बड़े सिंडिकेट का हिस्सा हो सकती है।पुलिस मुख्य सरगना तक पहुंचने के लिए गहन जांच में जुटी हैं। उल्लेखनीय है कि भारत से नेपाल में नशीली दवाओं की तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही है, जो दोनों देश की पुलिस व सुरक्षा एजेंसी के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई है।नशीली दवा के तस्कर अब नाबालिगों और महिलाओ का इस्तेमाल कर अवैध पदार्थों की तस्करी कराने में जुट गये है। फिलहाल दोनो देश की पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उक्त नाबालिग को भारत में किसने नशीली दवा दी है,और इसे नेपाल में किसे डिलीवरी देना था।

पूर्वी चंपारण के प्रवीण ने राष्ट्रीय पारा रोड साइक्लिंग चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

प्रवीण सहित बिहार के तीन खिलाड़ियों ने पदक जीतकर सूबे को किया गौरवान्वित

बीएनएम। मोतिहारी

राष्ट्रीय पारा रोड साइक्लिंग चैंपियनशिप में जिले के एक खिलाड़ी प्रवीण कुमार ने कांस्य पदक जीतकर बिहार और जिले को गौरवान्वित किया है। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की देखरेख में तेलंगाना साइक्लिंग एसोसिएशन द्वारा सिकंदराबाद में आयोजित की गई दो दिवसीय (29- 30 मार्च) प्रथम पारा राष्ट्रीय रोड साइक्लिंग चैंपियनशिप के सीनियर वर्ग में पूर्वी चंपारण के प्रवीण कुमार ने कांस्य पदक जीता, जबकि नालंदा के कन्हैया कुमार ने इसी कैटेगरी में कांस्य, सीनियर वर्ग टी-2 कैटेगरी में दरभंगा के जलालुद्दीन अंसारी ने कांस्य पदक प्राप्त कर राज्य का नाम रोशन किया है। जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि पारा साइक्लिंग के राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तीन खिलाड़ियों ने मेडल जीतकर सूबे की प्रतिभा को कायम किया है, जिसमे पूर्वी चम्पारण के हरसिद्धि के दुदहीकोठी निवासी प्रवीण शामिल है।प्रवीण समेत कई खिलाड़ियो ने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के तत्वाधान में व साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ़ बिहार के देखरेख में पटना में आयोजित कैंप में पारा साइक्लिंग के कई खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया था। सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में मेडल जीतने पर पारा साइक्लिस्टो (महिला और पुरुष) के करियर के लिए बेहतर अवसर है। राज्य का नाम रोशन करने वाले सभी पारा साइक्लिस्ट, उनके प्रशिक्षक आशीष कुमार तथा सपोर्टिंग स्टाफ को साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ़ बिहार ने उनके इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है।

यात्रियों से भरी जीप असंतुलित होकर पेड़ से टकरायी, आधा दर्जन हुए घायल

बीएनएम। मोतिहारी

जिला में सुगौली-छपरा बहास बाईपास रोड में गुरुवार को सवारी से भरी एक जीप महदेवा पुल के समीप असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई। जिससे जीप पर सवार करीब आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। जीप मोतिहारी से सुगौली आ रही थी। घायलों की चीख पुकार सुन अगल-बगल के लोग घटना स्थल पर पहुंचे और घायलों को जीप से बाहर निकाला और एम्बुलेंस बुलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।जहां डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया।वही तीन लोगो की स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया। घटना में घायल बालक राजा बाबू ने बताया कि जीप के पेड़ से टकराने के बाद चालक जीप छोड़ कर फरार हो गया। घायलों में धरमपुर की रीना देवी,मधुमालती की मैमून नेशा और लक्ष्मीपुर का राजा बाबू सहित अन्य बताये गये है।

मोतिहारी जिला स्कूल में निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम का डीएम ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिला स्कूल मोतिहारी में निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम का डीएम ने गुरुवार को निरीक्षण किया। इस मौके पर नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव भी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद डीएम ने बताया कि बैडमिंटन कोर्ट और कबड्डी कोर्ट पूरी तरह से निर्मित पाया गया है।कार्यस्थल पर उपस्थित भवन निर्माण विभाग अभियंता को जल्द से जल्द अन्य कार्यों को पूरा कर स्टेडियम को संबंधित पदाधिकारी को हैंडओवर करने का निर्देश दिया गया। मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी सह वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार एवं जिला खेल पदाधिकारी विकास कुमार भी उपस्थित थे।

नव विवाहिता की संदिग्ध परस्थिति में मौत

बीएनएम। मोतिहारी

पताही में बुधवार की रात एक नव विवाहिता की संदिग्ध परस्थिति में मौत हो गई। मृतका की पहचान थाना क्षेत्र के मनोरथा गांव राम परीक्षण महतो की पत्नी किरण कुमारी (25) के रूप में हुई है। किरण की शादी ढाई साल पहले राम परीक्षण महतो से हुई थी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पति के अवैध संबंध और दहेज की मांग पूरी न होने के कारण उसकी हत्या कर दी गई। मृतका के मायके वालों का कहना है कि पति राम परीक्षण का अपने भौजाई के साथ अवैध संबंध था। इसके बाद से वह अपनी पत्नी को आए दिन शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। मृतका की मां का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही दामाद ने दहेज में गाड़ी सहीत अन्य चीजों की मांग शुरू कर दी थी। जब उनकी आर्थिक स्थिति इस मांग को पूरा करने लायक नहीं थी, तो किरण पर अत्याचार बढ़ने लगा। इसी बीच उसकी हत्या कर दी है। थानाध्यक्ष विनीत कुमार ने बताया कि नव विवाहिता की पुलिस ने संदिग्ध परिस्थिति में शव को बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजन को सौंप दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जेवरात और पैसा लेकर घर से गायब हुई महिला, ससुर ने दर्ज कराई प्राथमिकी

बीएनएम। तुरकौलिया। शौच करने के लिए गई महिला का घर नही लौटने का मामला सामने आया है। किसी ने उसे बाइक पर बैठा कर चला गया। साथ ही घर से जेवरात और पैसा भी गायब था। मामले में महिला के ससुर ने थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराया है। जयसिंहपुर चिलराव गांव के धर्मेंद्र यादव सहित उसके माता पिता पर पुलिस ने केस किया है। ससुर ने बताया है कि उसकी पतोहू 27 मार्च को करीब 3 बजे शाम में शौच करने गई घर के पीछे गई थी। लेकिन वह कुछ देर तक नही आई। खोजबीन शुरू किया तो पता चला कि उक्त आरोपी बाइक से बहु को ले गया है। जब घर आकर समान देखा तो जेवरात नही थे। साथ ही 50 हजार रुपया भी नही था। जब आरोपी के घर पूछताछ करने गया तो परिजन गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। वहा से भगा दिए। शादी के नियत से उसकी पतोहू का अपहरण किया गया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर आगे की करवाई की जा रही है।

मक्का तोड़ने को लेकर दो पक्षो में जमकर मारपीट

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत चारगाहां पंचायत के वार्ड नं 9 में मक्का तोड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई है। दोनों तरफ से लगभग एक दर्जन लोग घायल हुए हैं। जिनका इलाज मोतिहारी के किसी अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाबत बताया जाता है कि शाकिर आलम और उसके पिता रहमुल्लाह ने अपने खेत में मक्का का खेती किए थे। जहां उसी गांव का बिनोद राय का नाबालिक लड़का मक्का के खेत में जाकर मक्का का बाल तोड़ लिया। जिसका शिकायत करने शाकिर आलम की मां बिनोद राय के घर गई थी। पूछने के दौरान बिनोद राय के घर के सभी लोग आग बबूला हो गए। साथ ही उससे मार पीट करने लगे। जिससे शाकिर आलम की मां जख्मी हो गई। इसी बीच शाकिर आलम अपनी मां को बचाने गया तो उसे भी सभी लोग मिलकर मारने लगे। जिससे शाकिर घायल हो गया। जिसका इलाज चल रहा है। वही शाकिर के साथ मारपीट की खबर परिजनों को मिलते ही शाकिर के परिजनों ने विनोद राय से मार पीट करने लगे। जिससे बिनोद घायल हो गया। जिसका इलाज मोतिहारी के किसी निजी अस्पताल में चल रहा है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मारपीट की खबर मिलते ही फौरन पुलिस घटना स्थल पर पहुंच तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कारवाई की जाएगी।

बेटी को सुसराल से गायब कर देने का आरोप, पीड़ित पिता ने थाना में दिया आवेदन

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के कृतपुर पंचायत के गोईठाहां गांव की एक नवविवाहिता को ससुराल वालों द्वारा गायब कर देने का आरोप लगाते हुए पिता ने थाना में आवेदन दिया है। पहाड़पुर थाना क्षेत्र के भुतहा गांव निवासी राजदेव दास ने हरसिद्धि थाना में उक्त आरोप लगाते हुए एक लिखित आवेदन देकर बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री अमृता देवी का विवाह इसी वर्ष 21दिन पूर्व में हरसिद्धि थाना क्षेत्र के कृतपुर पंचायत के गोइठहा गांव निवासी योगेन्द्र दास के पुत्र कृष्णा दास से किया था। 1अप्रैल को उन्हें सूचना मिली कि उनकी पुत्री अमृता देवी सुसराल में नहीं है। उन्होंने सूचना पाकर जब पुत्री के सुसराल गया तो देखा कि घर में उनकी पुत्री नहीं थी, जब उन्होंने समधी योगेन्द्र दास से पूछा तो उन्होंने बताया कि आपकी बेटी दो दिन पूर्व में घर से भाग गई है, लेकिन इसकी सूचना इन्हें दी गयी। इन्होंने अपनी पुत्री की खोजबीन हर जगह की। परंतु उसका पता नहीं चला। उसके सुसराल वाले कुछ बताने से परहेज कर रहे है। इस घटना के बारे में अगल बगल के लोग भी जान रहे हैं। राजदेव दास ने आवेदन में बताया है कि उनकी पुत्री को कृष्णा दास, योगेन्द्र दास, संतोष दास, संतोष दास की पत्नी सभी साकिन गोइंठाहा थाना हरसिद्धि ने साजिश के तहत गायब कर दिए हैं। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि आवेदन की जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

प्रकृति के कण कण हमें देता है परोपकार की शिक्षा

बीएनएम। बगहाः बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड स्थित राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज मधुबनी के पूर्व प्राचार्य प्रख्यात पर्यावरणविद् एवं प्रकृति प्रेमी पंडित भरत उपाध्याय ने गौरैया पक्षी को भीषण गर्मी से बचाव के लिए पानी की विशेष व्यवस्था करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दूसरों की सेवा के समान कोई धर्म नही और हिंसा से बढ़कर कोई पाप नहीं है। सन्त जन कहते हैं कि जो प्राणी सदा दूसरों की मदद करता है, सेवा करता है, परोपकार में लगा रहता है, वह पुण्य की उपार्जना करता है, जिससे उसके लिए सुख के द्वार खुल जाते हैं। हिलमिल कर रहने और एक दुसरे की सेवा सहायता करने में कितना आनंद है, कितनी प्रसन्नता होती है। यदि यह आप महसूस कर सके तो आप स्वयं समझ सकेंगे कि ईश्वर ने इस सृष्टि को कितना सुन्दर बनाया है। प्रकृति का कण-कण हमें परोपकार की शिक्षा देता है। नदियाँ परोपकार के लिए बहती है, वृक्ष धूप में रहकर हमें छाया देता है, सूर्य की किरणों से सम्पूर्ण संसार प्रकाशित होता है । चन्द्रमा से शीतलता, समुद्र से वर्षा, पेड़ों से फल-फूल और सब्जियाँ, गायों से दूध, वायु से प्राण शक्ति मिलती है। पशु और पक्षी भी अपने ऊपर किए गए उपकार के प्रति कृतज्ञ होते हैं। हम सभी को बिलुप्त हो रहे गौरैया पक्षी को बचाने के लिए दो घूंट पानी की व्यवस्था अवश्य करनी चाहिए। स्वयं के प्रयास से मैं अपने आवास पर सौ से ज्यादा गौरैया पक्षियों को बचाने में लगा हूं। दो घूंट पानी में है, गौरैया की जिंदगानी।

मां बेटे के साथ रिश्तेदारों ने की मारपीट

बीएनएम। जमुई | झाझा | : थानाक्षेत्र के बाराजोर घोरिकवा गांव में एक महिला और उसके बेटे के साथ रिश्तेदारों के द्वारा रात्रि में मारपीट की गई। घायल मां बेटे को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायलों में रुकसाना खातून और उसका बेटा मो. मेहराब शामिल हैं। में रहने वाले मौसा मौसी मेरी मां को अपने घर पर बुलाया । जब पीछे से गया तो देखा कि मेरी मां के साथ मौसा अफरोज और उसके भाई लोग मारपीट कर रहा है। मां के साथ होते मारपीट को देखकर जब अपनी मां को बचाने के लिए गया तो मौसा और उसके भाइयों ने मेरे और मेरी मां के साथ लाठी डंडा, लोहे के रॉड से मारपीट कर घायल कर दिया।

फरार दो वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम। जमुई | झाझा | न्यायलय के आदेश की अवहेलना कर पुराने मामले में फरार चल रहे दो अभियुक्तों के खिलाफ जारी किए गए वारंट के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी की पहचान रजला गांव के रहने वाले छंटकी यादव और भैरो यादव के रूप में हुई है। गिरफ्तार कर कागजी कार्रवाई पूरी कर न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

6 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जायेगा रामनवमी

बीएनएम। लखीसराय जिले में धूम धाम से 6 अप्रैल को रामनवमी मनाया जाएगा। इसे लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिले में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 4 अप्रैल को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक की जायेगी। यह बैठक समाहरणालय के मंत्रणा कक्ष में किया जायेगा।गोपनीय शाखा के विशेष कार्य पदाधिकारी ने पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी है। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों और शांति समिति के सदस्यों को शामिल होने का निर्देश दिया गया है। इसमें रामनवमी के दौरान शहर के धार्मिक स्थलों, जुलूस मार्गों और सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा होगी।पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया गया है कि वे सभी थानाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्र के शांति समिति सदस्यों को बैठक में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। बैठक में जिले के वरीय प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

नल जल योजना ठप, ग्रामीणों में आक्रोश

» प्यास बुझाने में लोगों को हो रही दिक्कत

बीएनएम। औरंगाबाद

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल का जल योजना, जिसका उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था, दाउदनगर अनुमंडल में बुरी तरह प्रभावित हो गई है। करोड़ों रुपये की लागत से शुरू की गई यह योजना भ्रष्टाचार, लापरवाही और तकनीकी खामियों के चलते ठप पड़ गई है। परिणामस्वरूप ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम के आते ही पानी की मांग बढ़ने वाली है, लेकिन यदि इस योजना का सुधार समय पर नहीं किया गया, तो यह जल संकट और भी गहरा सकता है। भूजल स्तर पहले ही गिर चुका है, और यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में लोगों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।यह योजना प्रशासन की लापरवाही और भ्रष्टाचार का स्पष्ट उदाहरण है। हर घर नल का जल योजना जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना का असफल होना न केवल सरकारी संसाधनों की बर्बादी को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे भ्रष्टाचार और गैर-जिम्मेदारी के कारण आम जनता बुनियादी सुविधाओं से वंचित रह जाती है।मुखिया प्रतिनिधि नागेंद्र सिंह का कहना है कि ग्रामीणों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अब स्थिति यह है कि यदि इस योजना का सुधार शीघ्र नहीं किया गया, तो यह स्थानीय प्रशासन और सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। ग्रामीणों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है, और यदि जल संकट का समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने के लिए सड़क पर उतर सकते हैं इसके साथ ही, वर्षों से योजना बंद होने के बावजूद पंचायतीराज पदाधिकारी बिजली बिल और अनुरक्षण मजदूरी भुगतान का दबाव बना रहे हैं।गोरडीहा पंचायत के कई वार्डों में हालात बेहद खराब हैं- वार्ड नंबर 2, 4, 8, 10, 6: टंकी आंधी-तूफान में गिरकर फट गई।

वार्ड नंबर 7, 11, 12, 13: स्टार्टर जला हुआ है।वार्ड नंबर 6: मात्र 15 घरों में ही पानी की सप्लाई हो रही है।कई जगहों पर पाइप और टोटियां गायब हैं। जल स्रोतों की मरम्मत और पाइप लाइनों की बहाली सुनिश्चित की जाए। पीएचडी के जेई गौतम ठाकुर ने कहा, मुझे आए हुए एक सप्ताह हुआ है और मैं सभी पंचायतों में खराब पड़े नल जल को सर्वे करवा रहा हूं। जहां अधिक क्षतिग्रस्त है, वहां काम चल रहा है। इसलिए गर्मी शुरू होने से पहले और पानी की किल्लत होने से पहले सभी नल जल को दुरुस्त कर लिया जाएगा।

एईएस/जेई से निपटने को लेकर सीएचसी में माकूल व्यवस्था

बीएनएम। केसरिया

बढ़ती गर्मी में एईएस/जेई की संभावना को देखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एलर्ट मोड में है। क्षेत्राधिन सभी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर व एपीएचसी को आवश्यक दवा मुहैया करा दी गई है। साथ हीं संबंधित चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मी को एलर्ट रहने को कहा गया है। सीएचसी के स्वास्थ्य प्रबंधक धर्मराज कुमार ने बताया कि सीएचसी में एईएस/जेई के मरीजों के लिए अलग से वार्ड बनाया गया है। जहाँ आने वाले ऐसे मरीजों के लिए आवश्यक दवा सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि इस बीमारी के लक्षण व उपचार के बारे में लोगों को जागरूक करने को लेकर आशा कार्यकर्ता व आंगनबाड़ी सेविकाओं/सहायिकाओं को कहा गया है। वहीं गुरुवार को अंबेडकर भवन में क्षेत्र के आंगनबाड़ी सेविकाओं का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित कर एईएस/जेई की रोकथाम के बारे में बताया गया। इधर, बीआरसी में भी विद्यालय प्रभारियों को भी इस बीमारी के रोकथाम के उपाय को बताने के लिए कहा गया। साथ हीं ओआरएस व पारासीटामल दवा का किट उपलब्ध कराया गया।

अभिनेता मनोज बाजपेई ने जिलाधिकारी से मुलाकात करके अपने पंचायत और जिला में हो रहे विकास कार्यों को जाना

बीएनएम। बगहा

प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता एवं दर्जनों फिल्मों में अपनी एक्टिंग के बल पर लोगों के दिलों दिमाग पर छाने वाले अभिनेता मनोज बाजपेई ने जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय से उनके कार्यलय कक्ष में गुरुवार को मुलाकात की। मुलाकात के क्रम में बाजपेई ने अपने गांव, पंचायत एवं जिले के विकास कार्यों पर जिलाधिकारी के साथ विस्तृत चर्चा की और उन्होंने जिला में चल रहे विकास कार्यों और उसके तीव्र कार्यान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। ज्ञातव्य है कि बाजपेई पश्चिम चंपारण जिला के गौनाहा प्रखंड के बेलवा गांव के निवासी हैं। जिलाधिकारी राय ने बाजपेई का स्वागत किया और उन्होंने पश्चिमी चंपारण जिला में विकास कार्य के लिए किये जा रहे अपने प्रयासों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास आवंटन की कोई कमी नहीं है और विकास कार्यों को तेजी से पूर्ण कराया जा रहा है। बाजपेई ने जिलाधिकारी को उनके द्वारा किए जा रहे बेहतर कार्यों के लिए प्रशंसा की और कहा कि इसी तरह विकास कार्यों को आम जनों तक पहुंचाते रहें और इसमें अगर मेरी भी कोई जरूरत हो तो उसमें हम आपके साथ हैं।

जनसुनवाई में परिवहन मंत्री ने सुनीं जनता की समस्याएं

» अधिकारियों को दिया त्वरित समाधान का निर्देश

बीएनएम। पटना

परिवहन मंत्री शीला मंडल ने गुरुवार को जनता दल (यू) के प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आमजन की समस्याओं को सुनी और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए लोगों ने अपने परिवहन संबंधी मुद्दों को रखा, जिनमें बस परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस, सड़कों की स्थिति और परिवहन सुविधाओं से जुड़े विषय शामिल थे।कार्यक्रम में विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी और प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी भी उपस्थित रहे। शीला मंडल ने कहा कि परिवहन विभाग आमजन की सुविधा और सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सरकार लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी परिवहन संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।सीएम नीतीश कुमार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि वह जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार के 19 वर्षों के शासनकाल में समाज के सभी तबकों को लाभ पहुंचाने के लिए कई योजनाएं चलाई गई हैं।मंत्री ने जनता से अपील की कि वे परिवहन संबंधी किसी भी समस्या के समाधान के लिए सीधे विभाग से संपर्क करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और आम जनता की सुविधा के लिए परिवहन सेवाओं में और सुधार किया जाएगा।

मारपीट में दो लोग गिरफ्तार

बीएनएम। जमुई झाझा

थानाक्षेत्र के चांय गांव में मकान के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में घायल हुए दोनो पक्षों के लोगों का अस्पताल में इलाज होने के बाद दोनो पक्षों की ओर से थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। एक पक्ष से ख़ातिजा खातून ने दर्ज आवदेन में बताया कि मेरा देवर सरफुद्दीन अंसारी छत ढलाई का काम कर रहा था। मना किया तो मेरे साथ मारपीट करने लगा। हल्ला सुनकर जब पति मो.मुद्दीन और बेटा आया तो सरफुद्दीन उसका बेटा सिकन्दर, बेटी सीमा खातून, सोनिया खातून,गुलबसा खातून, गुड़िया खातून, पत्नी सबाना खातून सभी लोग एकमत होकर तलवार, हॉकी, लाठी से मारपीट की। दूसरे पक्ष से मो. सरफुद्दीन ने दर्ज आवेदन में बताया की निजी जमीन पर घर बना रहा था कि तभी संझला भाई नसरुद्दीन अंसारी गाली गलौज करने और लोहे के रॉड से तबातोड़ हमला कर मारपीट करने लगा। पत्नी शबाना खातून और बेटा सिकन्दर आया तो भभु रजिया खातून, परवेज, फिरतोष एवं अन्य ने मारपीट की। दोनो तरह से प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक पक्ष से सरफुद्दीन और दूसरे पक्ष से परवेज को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजकर अन्य नामजद की गिरफ्तारी को लेकर आगे की कार्रवाई करने में जुट चुकी है।

नारगंजो में अभाविप की पहल से पेयजल संकट निजात

बीएनएम। जमुई झाझा

प्रखंड अंतर्गत नारगंजो के दुर्गम आदिवासी क्षेत्रों में लंबे समय से जारी पेयजल संकट अब समाप्त हो गया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ता कार्तिक कुसुम यादव की पहल पर पीएचईडी विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके में बंद पड़े चापाकलों की मरम्मत करवाई, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। क्षेत्र में वर्षों से कई चापाकल खराब पड़े थे, जिसके कारण ग्रामीणों को प्रतिदिन पेयजल के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। समस्या को गंभीरता से लेते हुए अभाविप के सक्रिय कार्यकर्ता कार्तिक कुसुम यादव ने पीएचईडी विभाग के एसडीओ श्री विकास कुमार से संपर्क कर स्थिति से अवगत कराया। कार्तिक के अनुरोध पर विभाग ने शीघ्र कार्रवाई करते हुए मरम्मत दल को मौके पर भेजा, जिसने करमा आदिवासी टोला में 2, नारगंजो में 4 और बलयाडीह यादव टोला में 1 चापाकल को दुरुस्त किया। चापाकलों की मरम्मत होते ही ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। बुजुर्ग ग्रामीण डेगन राय ने कहा, अब हमें पीने के पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। यह हमारे लिए बहुत बड़ी राहत है।" इस कार्य से उत्साहित ग्रामीणों ने अभाविप कार्यकर्ता कार्तिक कुसुम यादव और पीएचईडी विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान रगदा टुडू, छोटेलाल टुडू, श्याम टुडू, लखन बास्के, राजू बास्के, अरविंद यादव, संजय पंडित सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। यह पहल न केवल पेयजल संकट का समाधान बनी, बल्कि सामुदायिक जागरूकता और सहयोग का भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।

परीक्षा शुल्क में छूट को लेकर अभाविप के विरोध के बाद छात्रों को राहत

बीएनएम। सहरसा

सर्व नारायण सिंह रामकुमार सिंह महाविद्यालय में एससी/एसटी छात्र-छात्राओं के स्नातक तृतीय खंड परीक्षा शुल्क में छूट दे दी गई है। यह निर्णय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के विरोध के बाद लिया गया। भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय के तहत परीक्षा प्रपत्र भरने की प्रक्रिया जारी थी, लेकिन महाविद्यालय प्रशासन द्वारा यूजीसी के दिशा-निर्देशों के बावजूद एससी/एसटी छात्रों को शुल्क में छूट नहीं दी जा रही थी। इसे लेकर अभाविप कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बाद में विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्राचार्य से वार्ता कर छात्रों को शुल्क में छूट देने का निर्णय लिया। जिन छात्रों से अधिक शुल्क लिया गया था, वे 9 अप्रैल तक परीक्षा शुल्क रसीद, वार्षिक आय प्रमाण पत्र और बैंक खाता की प्रति जमा कर सकते हैं, जिसके बाद एक सप्ताह के भीतर शुल्क वापस कर दिया जाएगा। अभाविप के कॉलेज अध्यक्ष गणेश यादव ने कॉलेज प्रशासन पर भ्रष्टाचार और अराजकता का आरोप लगाया और कहा कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो अभाविप महाविद्यालय को अनिश्चितकालीन बंद करने का निर्णय लेगी। इस अवसर पर रोशन कुमार, चंदन कुमार, शुभम केशरी, अनिमेष कुमार, रोहन कुमार, कृष्ण कुमार, सन्नी कुमार समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार

बीएनएम। लखीसराय

बन्नू बगीचा एवं एसएसबी पुलिस टीम के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाकर हार्डकोर नक्सली बकुरा निवासी कोड़ा ऊर्फ सिकंदर यादव को गिरफ्तार किया हैं। इस संबंध में एसपी अजय कुमार ने बताया की सुचना मिली थी की जंगली इलाकों में नक्सली की गतिविधि तेज हो गई हैं। उसी को लेकर साइबर डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया और चानन एवं बन्नू बगीचा इलाके में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान सहायक कमांडेंट, F/29B SSB, F/29Bn SSB कंपनी, चानन थाना अध्यक्ष, बन्नू बगीचा थाना अध्यक्ष की संयुक्त छापेमारी किया। छापेमारी अभियान के दौरान न्यू बरमतिया न्यू बांकुरा, सिमरातरी, तेतरिया आदि क्षेत्रों में छापेमारी किया गया। छापामारी अभियान के दौरान छापामारी दल जब बांकुरा पहुंची तो वहीं संदेहास्पद स्थिति में एक व्यक्ति की गतिविधि नजर आई जो पुलिस पार्टी को देखते ही भागने लगा जिस पर छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई कर उस व्यक्ति को पकड़ लिया गया तथा पूछताछ करने पर उसकी पहचान बांकुरा निवासी नरायण कोड़ा के पुत्र सिकन्दर यादव उर्फ सिकन्दर कोड़ा के रूप मे हुई।गिरफ्तार नक्सली सिकन्दर कोड़ा आत्मसमर्पित नक्सली अर्जुन कोड़ा तथा फरार हार्डकोर ईनामी प्रवेश दा एवं अरविन्द यादव के दस्ते में शामिल रह कर घटना को अंजाम देने, नक्सलियों को आधारभूत व खाने-पीने की सामग्रियों को जुटाने और नक्सलियों तक पहुंचाने के काम करने के साथ-साथ पुलिस/सुरक्षा बलों के मेंट के खबर को नक्सलियों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाया करता था। तथा गिरफ्तार नक्सली सिकन्दर यादव उर्फ सिकन्दर कोड़ा तकरीबन 3 वर्षों से नक्सल दस्ते में रहने के बाद पुलिस से बचने के लिये बाहर चला गया था तथा पुनः बांकुरा अपने क्षेत्र पहुंचा और नक्सली संगठन को मजबूत करने के प्रयास में लगा था। गिरफ्तार नक्सली पर धनबाद पटना इन्टर सिटी अप पर फायरिंग एवं बमबारी कर आर.पी.एस.एफ. एक जवान सुकान्त देवनाथ की गोली मारकर हत्या कर उसका हथियार लूट लेने, अवर निरीक्षक कुमार अमित की भी गोली मारकर हत्या करने, विरोध करने के कारण एक यात्री सरवर इस्लाम की भी हत्या कर ने का मामला चानन थाना कांड संख्या -33/13 दर्ज हैं। इस घटना में उग्रवादियों द्वारा तीन हथियार जिसमें से एक-AK-47 ईसांस तथा 230 चक गोली लूटने तथा एक रेलवे गार्ड एवं पांच यात्री को भी उग्रवादियों द्वारा जख्मी कर देने का आरोप दर्ज है।

अग्नि पीड़ित परिवारों के बीच वितरण कराया राहत सामग्री

गंडक पार के भितहा प्रखंड के डीही पकडी राजवंशी टोला, बलुअडवा में जले थे सैकड़ों घर

बीएनएम। बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित भितहा प्रखंड के डीही पकडी पंचायत स्थित राजवंशी टोला, बलुअडवा गांव में अचानक लगी आग से बुधवार की रात लगभग एक सौ से अधिक घर आग की चपेट में आकर जल गया। आग लगी की घटना सुनते ही केन्द्रीय कोयला और खनन राज्यमंत्री सतीश चन्द्र दूबे के द्वारा प्रदत्त राहत सामग्री भाजपा जिलाध्यक्ष अचिंत्य कुमार लल्ला उर्फ रामेश्वर प्रसाद ,केन्द्रीय राज्यमंत्री के अनुमंडल प्रतिनिधि सह भाजपा जिला महामंत्री सिप्पु चौबे द्वारा वितरण किया गया। राहत सामग्री मे-1बोरी चावल, साड़ी, लुंगी,दाल , सब्जी, तथा किराना सामग्री केन्द्रीय राज्यमंत्री के सौजन्य से भाजपा के जिला और मंडल के पदाधिकारियों के साथ वितरित किया गया। सभी अग्नि पीड़ित मंत्री के सहयोग से संतुष्ट होकर उनको अपना आशीर्वाद देते हुए आभार व्यक्त किए। राहत सामग्री वितरित करने में, जिला उपाध्यक्ष चन्द्र भूषण सिंह, जिला मंत्री रविन्द्र यादव, मंडल अध्यक्ष संजय मिश्रा , जिला के रोशन तिवारी , आयुश पांडेय ,मंडल उपाध्यक्ष सुरेश जायसवाल,

पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल जायसवाल, पंचायत अध्यक्ष परमेश्वर बैठा , भाजपा कार्यकर्ता विनय सिंह, कृष्णा यादव, राजकिशोर साह, लक्ष्मी साह, आदि कार्यकर्ताओं के सहयोग से वितरित किया गया। इस अवसर पर सरपंच रामाशंकर यादव समेत दर्जनों की संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वंद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अनन्त काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो।

जिस अमेरिका में अल्पसंख्यकों पर हो रहा अत्याचार वह भारत पर उठा रहा प्रश्न ?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

संयुक्त राज्य आयोग अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता यानी अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चिंता जताते हुए भारत पर यह आरोप लगाया है कि यहां रह रहे अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर मुस्लिम और ईसाई समुदायों के साथ भेदभाव और बुरा व्यवहार हो रहा है। उन पर अत्याचार हो रहे हैं। अब इस रिपोर्ट के आने के बाद यह पूरी तरह से स्पष्ट हो चुका है कि भले ही अमेरिका में सत्ता परिवर्तन हो गया हो और जो बाइडेन के स्थान पर डोनाल्ड ट्रंप वहां राष्ट्रपति बन गए हैं, किंतु अमेरिका प्रशासन के भारत को लेकर नकारात्मक नजरिए में कोई बदला नहीं आया है। क्या यह पहली बार है जब वाशिंगटन डीसी स्थित यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) इस तरह की रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहा है, पिछले वर्ष दो अक्टूबर को भारत पर उसने "धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति में गिरावट" को चिह्नित करने के नाम पर कई आरोप लगाए थे। यदि इसके पूर्व 2023 की रिपोर्ट देखें तो इस अमेरिकी आयोग ने भारत पर यह आरोप मड़ा था कि भारत सरकार द्वारा विदेशों में कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और वकीलों को चुप कराने के प्रयास धार्मिक स्वतंत्रता के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। भारत द्वारा धर्म या आस्था की स्वतंत्रता के व्यवस्थित, निरंतर और गंभीर उल्लंघन के कारण वह अमेरिकी विदेश विभाग से भारत को विशेष चिंता वाला देश (सीपीसी) घोषित करने का अनुरोध करता है। इतना ही नहीं इस संस्थान की धृष्टता देखिए कि बिना किसी साक्ष्य के होते हुए भी यूएससीआईआरएफ के आयुक्त स्टीफन श्नेक ने कहा था, ''कनाडा में सिख कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और संयुक्त राज्य अमेरिका में गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में भारत सरकार की कथित संलिप्तता बेहद परेशान करने वाली है और यह भारत के अपने देश और विदेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों और मानवाधिकार रक्षकों को चुप कराने के प्रयासों में गंभीर वृद्धि को दर्शाता है।'' 2020 की रिपोर्ट में, यूएससीआईआरएफ ने कहा कि ''भारत ने 2019 में तीव्र गिरावट दर्ज की। राष्ट्रीय सरकार ने अपने मजबूत संसदीय बहुमत का इस्तेमाल राष्ट्रीय स्तर की नीतियों को लागू करने के लिए किया, जो पूरे भारत में धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करती हैं, खासकर मुसलमानों के लिए।'' इसने कहा कि भारत के मुसलमानों के खिलाफ नरेन्द्र मोदी सरकार का पूर्वाग्रह नागरिकता कानूनों, गोहत्या, कश्मीर और धर्मांतरण पर भारत के कार्यों के माध्यम से दिख रहा है। रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के अयोध्या फैसले और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के आचरण का उल्लेख किया गया है। इसने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सिफारिश की कि वह भारत को ''अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम द्वारा परिभाषित व्यवस्थित, चल रहे और गंभीर धार्मिक स्वतंत्रता उल्लंघनों में संलग्न होने और सहन करने के लिए विशेष चिंता वाले देश के रूप में नामित करें।'' इसने भारत के खिलाफ प्रतिबंधों की मांग की। इस यूएससीआईआरएफ संगठन ने 2020 से हर साल यह सिफारिश की है कि अमेरिकी विदेश विभाग भारत को सीपीसी के रूप में नामित करे। सिर्फ 2020 ही क्यों, इसके पहले 2019-18 या इससे पूर्व की एससीआईआरएफ की जारी रिपोर्ट देखी जा सकती हैं, जिसमें बार-बार भारत के बहुसंख्यक हिन्दू समाज पर निशाना साधते उसे भयंकर रूप से हिंसक बताते हुए अपराधी घोषति किया गया है। किंतु भारत की उसके उलट हकीकत क्या है? वह यह है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29 और 30 के तहत धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को विशेष अधिकार दिए गए हैं। इन अधिकारों के जरिए अल्पसंख्यकों की संस्कृति और शैक्षणिक संस्थाओं को संरक्षित किया जाता है। भारत में अपने अल्पसंख्यकों के लिए उदात्तता का इससे बड़ा क्या उदाहरण हो सकता है कि आज भी उसकी दूसरी सबसे बड़ी जनसंख्या (मुस्लिम) यहां अल्पसंख्यक है। ईसाई-मुस्लिम लगातार कन्वर्जन के विरोध में तमाम कानून होने के बाद भी सफल हो रहे हैं। उसके रिलीजियस संस्थानों पर कोई टैक्स नहीं लगता, उल्टे मुल्ला-मौलवियों को हर साल कई हजार करोड़ की राशि वेतन के रूप में दी जा रही है। बच्चों को विशेष सुविधाएं, रोजगार के कई अवसर योजनाओं के माध्यम से उन्हें यहां उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वे बड़े-बड़े माइक लगाकर सार्वजनिक रूप से हर दिन पांच बार यह घोषणा कर रहे हैं कि उनका अल्लाह ही सबसे बड़ा है और सिर्फ उसी की प्रार्थना करना चाहिए। वह गैर मुस्लिमों (काफिरों) के लिए ऐसा बहुत कुछ बोलते हैं, जो नहीं बोला जाना चाहिए, फिर भी यहां का बहुसंख्यक समाज उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहता है। वे बहुसंख्यक समाज पर जब चाहें, जहां चाहें इकट्ठा होकर हमला कर देते हैं, फिर भी उनके अधिकारों में कोई कटौती नहीं होती। इतना सब होते हुए भी ये अमेरिका है कि भारत के बहुसंख्यक समाज हिन्दू को ही कटघरे में खड़ा करने का काम करता है! यहां यह देखकर भी आश्चर्य होता है कि कानूनन हर साल अमेरिकी सरकार जो सदन में अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर रिपोर्ट पेश करती है, अपने यहां और अमेरिका खुद कैसे दुनिया के देशों पर अत्याचार करता है, रिपोर्ट में उसका कोई जिक्र तक नहीं करता। उल्टा यह दावा करता है कि इसका मूल्यांकन वैश्विक मानवाधिकार मानकों और विशेष रूप से मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 18 पर आधारित है, जिसमें कहा गया है, ''हर किसी को विचार, विवेक और धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार है; इस अधिकार में अपने धर्म या विश्वास को बदलने की स्वतंत्रता और अकेले या दूसरों के साथ समुदाय में और सार्वजनिक या निजी रूप से, शिक्षण, अभ्यास, पूजा और पालन में अपने धर्म या विश्वास को प्रकट करने की स्वतंत्रता शामिल है।'' आश्चर्य होता है ये जानकर कि अमेरिका अपनी गिरेबान में नहीं झांकना चाहता। भारतीय मूल के बच्चों और लोगों के खिलाफ अमेरिका में लगातार नफरत बढ़ रही है। हिन्दू मंदिरों को नष्ट किया जा रहा है। यहां तक कि भारतीय दूतावासों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। यहां ये प्रमाण है कि हिंदूफोबिया वास्तविक है। लगातार मंदिरों और भारतीयों पर हमलों की खबरें आ रही हैं। पिछले तीन साल में अमेरिका में 10 बड़े हमले मंदिरों पर किए गए। साथ ही अत्यधिक अभद्र भाषा का उपयोग किया गया। वैसे हर लोकतात्रिक शासन प्रणाली का यह कर्तव्य है कि वह अपने यहां रह रहे सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा सुनिश्चित करे। लेकिन अमेरिका में आज हिंदू अल्पसंख्यकों के ऊपर हमले हो रहे हैं और उन्हें रोकने में यहां की सरकार असफल साबित हो रही है, इसके बाद भी वह उल्टा ज्ञान भारत को दे रहा है! अमेरिकी थिंक टैंक- कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस का सर्वे दावा करता है कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने हिंदूफोबिया झेल रहे है। खुद फेडरल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन ने माना कि एंटी-हिंदू हेट क्राइम लगातार यूएस में बढ़े हैं। खासकर जिन इलाकों में हिंदू आबादी कम हैं, वहां उन्हें रेसिस्ट कमेंट या मारपीट का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा अमेरिकी रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन नेटवर्क कंटेजियन रिसर्च इंस्टीट्यूट का भी ये दावा सामने आ चुका है कि बीते समय में तेजी से एंटी-हिंदू नैरेटिव तैयार हुआ और हिंदुओं पर हमले में थोड़ी-बहुत नहीं, लगभग हजार गुना तेजी आई। इंस्टीट्यूट ने ये भी माना कि इन घटनाओं में किसी एक नस्ल या तबके का हाथ नहीं, बल्कि ये मिल-जुलकर किया जा रहा हेट-क्राइम है, इसे मुस्लिम और खुद को सबसे बेहतर मानने वाले श्वेत नस्ल के लोग, दोनों ही कर रहे हैं। हिन्दूफोबिया यहां किस तरह से हावी होता दिख रहा है, वह बीते वर्षों में इस घटना से समझा जा सकता है, न्यूयॉर्क के साउथ रिचमंड हिल्स में लगी महात्मा गांधी की मूर्ति को न केवल तोड़ा-फोड़ा गया, बल्कि स्प्रे पेंट से उसपर अश्लील भाषा भी लिख दी गई थी।

सूडोकु नवताल- 7390

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

JagruBidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7389 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी झलकारीबाई का बलिदान, स्वाभिमान और स्वराष्ट्र के लिए जीवन समर्पित

रमेश शर्मा

भारत राष्ट्र के स्वत्व और स्वाभिमान की रक्षा के लिए हुए असंख्य बलिदानों में झलकारी बाई का भी एक ऐसा नाम है जिनका संघर्ष स्वयं के लिये नहीं था । न तो स्वयं के लिए राज्य प्राप्ति की चाह थी और न अपना कोई हित । पर उन्होंने संघर्ष किया और जीवन की अंतिम श्वांस तक किया । वे जानतीं थीं कि उनके संघर्ष का अंत विजय नहीं है अपितु जीवन का बलिदान है । फिर भी उन्होंने प्राणपण का संघर्ष किया और रानी लक्ष्मीबाई को सुरक्षित कालपी पहुंचाया । ऐसी वीरांगना झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर, 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव में हुआ था। उनके पिता सदोवर सिंह झांसी दरबार की सेवा में राजा के निजी अंगरक्षकों में एक विश्वस्त सिपाही थे । और माता जमुना देवी धार्मिक विचारों की एक सामान्य गृहणी थीं । वे दो भाइयों के बीच एक बहन थीं । एक भाई बड़े थे एक उनसे छोटे । जब झलकारी बालवय में थीं तब ही माता का देहान्त हो गया था । दो भाइयों के बीच उनकी परवरिश एक लड़के की तरह हुई । उन्होंने घुड़सवारी और विभिन्न हथियारों चलाने का अभ्यास उन्होंने बचपन से किया था। झलकारी बचपन से ही बहुत साहसी और दृढ़ प्रतिज्ञ बालिका थी। इसलिए उनकी गणना एक कुशल यौद्धा के रूप में होने लगी थी । झलकारी घर के काम के अलावा पशुओं का रख-रखाव और जंगल से लकड़ी इकट्ठा करने का काम भी करती थीं। उन्होने अपने जैसी साहसी किशोरियों की एक टोली बना ली थी । यह सब दरबार के सिपाहियों और उनके परिजनों की बेटियां थीं। एक बार जंगल में उसकी मुठभेड़ तेंदुए से हो गई थी तो झलकारी ने अपनी कुल्हाड़ी से ही उस तेंदुए को मार डाला था। एक अन्य अवसर पर जब डकैतों का एक गिरोह ने गांव में घुसा तब झलकारी ने अपनी टोली के साथ उनका मुकाबला किया और डकैतों को पीछे हटने और भागने पर विवश कर दिया था। उनकी इस बहादुरी से खुश होकर दरवार में सम्मानित किया गया । आगे चलकर उनका विवाह रानी लक्ष्मीबाई की सेना के एक सैनिक पूरन कोरी से हो गया । पूरन भी बहुत बहादुर था और

राजा का विश्वास पात्र भी । इस नाते झलकारीबाई का परिचय रानी लक्ष्मीबाई से हो गया । झलकारीबाई कद काठी में बिल्कुल रानी जैसी थी । रानी ने झलकारीबाई की बहादुरी के प्रसंग सुने थे । कद काठी से भी प्रभावित हुईं। यद्यपि झलकारीबाई रानी लक्ष्मीबाई से आयु में दो वर्ष छोटी थीं पर उनके चेहरे की बनावट और कदकाठी बिल्कुल रानी की भांति थी । इसलिए उनके प्रति रानी का आकर्षण बढ़ा और वे रानी की विश्वस्त बन गईं । समय के साथ रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी सैन्य शक्ति में बढ़ोतरी की और रानी ने झलकारी को दुर्गा सेना संगठित करने का आदेश दिया। झलकारीबाई ने काम आगे बढ़ाया। महिलाओं को आत्मरक्षार्थ तलवार चलाना, बंदूक चलाना सिखाया कुछ को तोप चलाने का भी प्रशिक्षण दिया। यह वह समय था जब झांसी की सेना को किसी भी ब्रिटिश दुस्साहस का सामना करने के लिए सक्षम बनाया जा रहा था। उन दिनों डलहौजी भारत का वायसराय था । वह देशी रियासतों को हड़प कर सीधे अंग्रेजी राज्य का शिकंजा कस रहा था । उसकी इस हड़पने की नीति के चलते, ब्रिटिश राजा से निःसंतान लक्ष्मीबाई को उत्तराधिकारी गोद लेने की अनुमति नहीं मिली । क्योंकि वे ऐसा करके रियासतों को सीधे अपने नियंत्रण में लेना चाहते थे। ब्रिटिश सरकार की इस कार्रवाई के विरोध में रानी ने कमरकसी और पूरे राज्य की सेना, सभी सेनानायक और झांसी के लोग रानी के साथ लामबंद हो गये और उन्होने आत्मसमर्पण करने के बजाय हथियार उठाकर युद्ध करने का संकल्प लिया। अंग्रेज सेना ने फरवरी 1958 में किले की घेराबंदी की । यह घेरा लगभग दो माह चला । मार्च के अंत में दक्षिण द्वार के द्वारपाल दूल्हाजू को अंग्रेजों ने तोड़ लिया और उसने 31 मार्च की रात द्वार खोल दिया । किले के भीतर भयानक युद्ध आरंभ हो गया ।

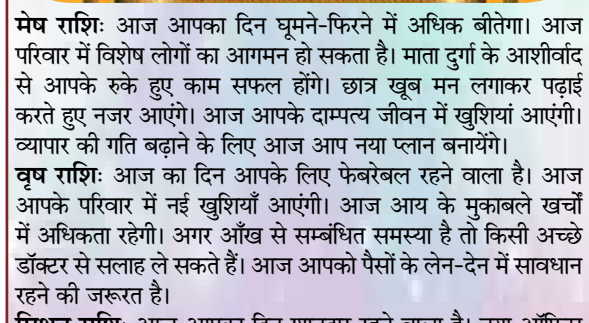

मेष राशिः आज आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीतेगा। आज परिवार में विशेष लोगों का आगमन हो सकता है। माता दुर्गा के आशीर्वाद से आपके रुके हुए काम सफल होंगे। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। आज आपके दाम्पत्य जीवन में खुशियां आएंगी। व्यापार की गति बढ़ाने के लिए आज आप नया प्लान बनायेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए फेबरेबल रहने वाला है। आज आपके परिवार में नई खुशियाँ आएंगी। आज आय के मुकाबले खर्चों में अधिकता रहेगी। अगर आँख से सम्बंधित समस्या है तो किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। आज आपको पैसों के लेन-देन में सावधान रहने की जरूरत है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। नया ऑफिस ज्वाइन करना चाहते हैं तो समय आपका साथ देगा। कार्य क्षेत्र में सफलता हासिल होगी। आज नौकरी में उल्लास का माहौल बनेगा। डॉक्टर्स आज अपने सीनियर से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे। इस राशि के इंजीनियर के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज दोस्तों के साथ बाहर खाने का प्लान बनायेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को सोच समझकर फैसला लेना चाहिए। आज आप नया सामान खरीदने का मन बना सकते हैं। आज अपने व्यापार में बदलाव लायेंगे, इससे आपको अच्छा मुनाफा होगा। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कन्या के पैर छूकर आशीर्वाद लें, आपकी मेहनत रंग लायेगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। व्यापार में अनुकूल स्थितियां बनी रहेंगी। आज आपको बड़ों का सहयोग मिलेगा। आज बच्चों के साथ आप समय बिताएंगे। आज आपको वाहन सुख के योग बन रहे हैं। बुजुर्गों की धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी। लवमेट आज एक दूसरे की भावनाओं की कद्र करेंगे। स्कन्द माता को फूल अर्पित करें, मेहनत के बेहतर परिणाम मिलेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। बिजनेस मैन की रुकी डील आज फाइनल होगी। आज नए क्लाइंट्स के साथ मीटिंग करेंगे। अविवाहितों के चल रहे रिश्ते की बात जल्द पक्की होगी। आप दोस्तों के साथ कुछ ख़ुशी के पल बितायेंगे। किसी के सहयोग से आपको लाभ होगा। मां दुर्गा की उपासना करें, आपके आय में बढ़ोतरी होगी।

तुला राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी। जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा। उच्च अधिकारियों द्वारा आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आज आप धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे। दुर्गा सप्तशती का पाठ करें, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। इस राशि के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी समझदारी से करनी चाहिए, सफलता के योग बने हुए हैं। माता-पिता की जिम्मेदारियों को उठाने का पूर्ण प्रयास करेंगे। आज अचानक धन लाभ होने के योग बने हुए है। लवमेट आज अपने रिश्ते की बात घर वालों से करेंगे। माता के सामने घी का दीपक जलाएं, मनपसंद जीवनसाथी मिलेगा।

धनु राशिःआज आपका दिन शानदार रहने वाला है। मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आज आपको सफलता की नयी किरण दिखाई देगी। काफी समय से वाहन लेने का मन बना रहे हैं तो आज वाहन लेने में समय आपका साथ देगा। दुर्गा स्तोत्र का पाठ करें, स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप व्यापार के लिए मशीनरी उपकरण खरीदने का मन बना सकते हैं। परिवार के सदस्यों में प्रेम भाव बढ़ेगा। लवमेट को मनचाहा उपहार मिलेगा। आर्ट्स के छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नयी कलाकृति दोस्तों को पसंद आयेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

कुंभ राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। संतान पक्ष से सहयोग मिलेगा, रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। अगर आपके घर का निर्माण कार्य चल रहा है तो जल्द पूरा हो जायेगा। आज आपको प्रमोशन से जुडी खबर मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतर बनेगा, साथ में किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जायेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी मेहमान के आने से उनके सत्कार की तैयारियों में व्यस्त रहेंगे। आज आपको आय के नए साधन मिलेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सिविल इंजीनियर्स का चल रहा प्रोजेक्ट आज पूरा हो जायेगा।

(नवरात्रि विशेष) भंवरों की देवी है जीण माता

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान के सीकर-जयपुर मार्ग पर गोरिया के पास जीणमाता गांव में देवी स्वरूपा जीण माता का प्राचीन मंदिर है। जीण माता का वास्तविक नाम जयन्ती माता है। माता दुर्गा की अवतार हैं। यह मंदिर शक्ति की देवी को समर्पित है। घने जंगल से घिरा हुआ है यह मंदिर तीन छोटी पहाड़ों के संगम पर स्थित है। जीण माता का यह मन्दिर बहुत प्राचीन शक्तिपीठ है। जीण माता का मंदिर दक्षिण मुखी है। लेकिन मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व में है। मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों व वाममार्गियों की मूर्तियां लगी है। इससे यह भी सिद्ध होता है कि उक्त सिद्धांत के मतावलंबियों का इस मंदिर पर कभी अधिकार रहा हो या उनकी यह साधना स्थली रही हो। मंदिर के देवायतन का द्वार सभा मंडप में पश्चिम की ओर है। यहां जीण भगवती की अष्टभुजी आदमकद मूर्ति प्रतिष्ठापित है। सभा मंडप पहाड़ के नीचे है। मंदिर में ही एक और मंदिर है जिसे गुफा कहा जाता है। जहां जगदेव पंवार का पीतल का सिर और कंकाली माता की मूर्ति है। मंदिर के पश्चिम में महात्मा का तप स्थान है जो धुणा के नाम से प्रसिद्ध है। लोगों का मानना है कि यह मंदिर एक हजार साल पुराना है। लेकिन कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं। मंदिर में अलग-अलग आठ शिलालेख हैं जो मंदिर की प्राचीनतम के सबल प्रमाण है। इन शिलालेखों में सबसे पुराना संवत 1029 का है। उस पर मंदिर के निर्माण का समय नहीं लिखा गया है। चैहान चन्द्रिका नामक पुस्तक में इस मंदिर को 9 वीं शताब्दी से पूर्व का बताया गया है। एक जनश्रुति के अनुसार देवी जीण माता ने सबसे बड़ा चमत्कार मुगल बादशाह औरंगजेब को दिखाया था। औरंगजेब ने शेखावाटी के मंदिरों को तोड़ने के लिए एक विशाल सेना भेजी । यह सेना हर्ष पर्वत पर शिव व हर्षनाथ भैरव का मंदिर खंडित कर जीण मंदिर को खंडित करने आगे बढ़ी तो कहते है कि मन्दिर के पुजारियों के आर्त स्वर में मां से विनय करने पर मां जीण ने भंवरे (बड़ी मधुमखियां) छोड़ दीं जिनके आक्रमण से औरंगजेब की शाही सेना लहूलुहान हो भाग खड़ी हुई। कहते है स्वयं बादशाह की हालत बहुत गंभीर हो गई। तब बादशाह ने हाथ जोड़ कर मां जीण से क्षमायाचना कर मां के मंदिर में अखंड दीप के लिए दिल्ली से सवामण तेल भेजने का वचन दिया। कई वर्षों तक माता के मन्दिर में दीपक के लिए दिल्ली से तेल आता रहा फिर दिल्ली के बजाय जयपुर से आने लगा। बाद में जयपुर महाराजा ने इस तेल को मासिक के बजाय वर्ष में दो बार नवरात्रि के समय भिजवाना आरम्भ कर दिया। और महाराजा मान सिंह के समय तेल के स्थान पर नगद 20 रुपये 3 आने प्रतिमाह कर दिए। जो निरंतर प्राप्त होते रहे। औरंगजेब को चमत्कार दिखाने के बाद जीण माता भंवरों की देवी भी कही जाने लगी। हमारे देश में

दुर्गा मां को शक्ति की देवी के रूप में पूजा जाता है। दुर्गा मां के कई रूप और अवतार हैं। पूरे भारत में नवरात्रि के अवसर पर माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ती है। आस्था से भरे इस देश में माता का स्थान सबसे ऊपर है। जीण माता देवी शक्ति है जो सदियों से लेकर आज तक लगातार आराध्य देवी के रूप में पूजी जाती हैं। जीण माता मंदिर में हर वर्ष चैत्र सुदी एकम् से नवमी (नवरात्रि में) व आसोज सुदी एकम से नवमी में दो विशाल मेले लगते हैं। जिनमें देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। जीणमाता मेले के अवसर पर राजस्थान के बाह्य अंचल से भी अनेक लोग आते हैं। मन्दिर में बारह मास अखण्डदीप जलता रहता है। हर मंदिर के कपाट चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहते हैं। इसका कारण यह है कि चंद्र ग्रहण के दौरान नकारात्मक शक्तियां बढ़ जाती हैं और सकारात्मक शक्तियां कमजोर पड़ जाती हैं। इसलिए मान्यता है कि अगर मंदिर के कपाट खुले रखेंगे तो मंदिर में बुरी शक्तियों का वास होगा। लेकिन शक्तिपीठ जीण माता मंदिर के कपाट हमेशा खुले रहते हैं। इस मंदिर के कपाट कभी भी बंद नहीं होते हैं। राजस्थान का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां 24 घंटे भक्त मां जीण भवानी के दर्शन करते हैं। लोक कथाओं के अनुसार जीण माता का जन्म (अवतार) राजस्थान के चूरू जिले के घांघू गांव के अधिपति एक चौहान वंश के राजा घंघ के घर में हुआ था। जीण माता के बड़े भाई का नाम हर्ष था। माता जीण को शक्ति का अवतार माना गया है और हर्ष को भगवान शिव का अवतार माना गया है। कहते हैं कि दोनों बहन भाइयों में बहुत स्नेह था। लेकिन किसी बात पर दोनों मनमुटाव हो गया। तब जीण माता यहां आकर तपस्या करने लगी। पीछे-पीछे हर्षनाथ भी अपनी लाडली बहन को मनाने के लिए आए। लेकिन जीण माता जिद कर साथ जाने से मना कर दिया। हर्षनाथ का मन बहुत उदास हो गया और वे भी वहां से कुछ दूर जाकर तपस्या करने लगे। दोनों भाई बहन के बीच हुई बातचीत का सुलभ वर्णन आज भी राजस्थान के लोक गीतों में मिलता है। भगवन हर्षनाथ का भव्य मन्दिर आज भी राजस्थान की अरावली पर्वतमाला में स्थित है। जीण भवानी की सुबह चार बजे मंगला आरती होती है। आठ बजे श्रृंगार के बाद आरती होती है व सायं सात बजे आरती होती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025: बटलर के आगे बेंगलुरु के गेंदबाज पस्त, गुजरात ने आरसीबी को 8 विकेट से हराया

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 14वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 8 विकेट से हरा दिया है। गुजरात की ओर से जोस बटलर ने नाबाद 73 रनों की पारी खेलकर गुजरात को जीत दिलाई। आरसीबी से मिले 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस ने पारी की शुरुआत संभलकर की। टीम को पहला झटका कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगा। गिल 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सांई सुदर्शन ने जोस बटलर के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी हुई। हालांकि साई सुदर्शन अपने अर्द्धशतक से चूक गए और 49 रन बनाकर आउट हुए। फिर बटलर का साथ देने आए शेरफन रदरफोर्ट ने

टीम को जीत दिला दी। रदरफोर्ड 30 रन बनाकर और जोस बटलर 73 रन बनाकर नाबाद रहे। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार और जोश हैजलवुड को ही एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विराट कोहली (7 रन) और देवदत्त पडिकल (4 रन) जल्दी आउट हो गए। इसके बाद पावरप्ले खत्म होते-होते फिल सॉल्ट (14 रन) और कप्तान रजत पाटीदार (12 रन) भी पवेलियन लौट गए। लियाम लिविंग्सटन (54 रन) और जितेश शर्मा (33 रन) ने पारी को संभाला और स्कोर को सम्मानजनक स्तर पर पहुंचाने में लगे गए। वहीं, आखिर में टिम डेविड ने 18 गेंदों में 32 रन की पारी खेल आरसीबी के स्कोर को 169 तक पहुंचा दिया। गुजरात की तरफ से मो. सिराज ने तीन और साई किशोर ने दो विकेट चटकाए। वहीं, अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा और ईशांत शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

आरसीबी की हार का कारण बने उसके ही पुराने गेंदबाज सिराज

बेंगलुरु। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के शानदार प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 18 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 8 विकेट से हरा दिया। सिराज पिछले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में शामिल थे पर इस बार वह गुजरात की ओर से खेल रहे हैं। ऐसे में उन्हें इस बार रिटेन न कर आरसीबी पछता रही होगी। इस मैच में सिराज के सामने आरसीबी के गेंदबाज टिक नहीं पाये। सिराज ने बहुत ही कसी हुई गेंदबाजी की और आरसीबी के 3 बड़ विकेट लिए। उन्होंने 4 ओवर में केवल 19 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इसी कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। वहीं पिछले सत्र में जब गुजरात और आरसीबी का पहला मुकाबला हुआ था तब

भी सिराज ही प्लेयर ऑफ द मैच थे पर उस समय वह गुजरात की ओर से खेल रहे थे। आरसीबी ने इस बार सिराज को रिलीज कर दिया था। इसके बाद हुई नीलामी में टाइटंस ने उन्हें 12.5 करोड़ की बोली लगाकर उन्हें खरीदा था। इस बार मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। वहीं गुजरात ने जोस बटलर और साई सुदर्शन की विस्फोटक पारियों की सहायता से 18वें ओर में ही 8 विकेट से मैच जीत लिया। बटलर ने 39 गेंद में 73 जबकि सुदर्शन ने 36 गेंद में 49 रन बनाये। इस मैच में जीत से गुजरात के 4 अंक हो गए और वह चौथे नंबर पर पहुंच गयी है जबकि हार के बाद आरसीबी पहले से तीसरे नंबर पर फिसल गयी है।

बुमराह की वापसी को लेकर संशय बरकरार

मुम्बई। भारतीय टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की खेल में वापसी को लेकर संशय बना हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह चैम्पियंस ट्रॉफी भी नहीं खेल पाये। अब उनके इंग्लैंड के खिलाफ जून में होने वाली टेस्ट सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाएं हैं। फिट नहीं होने के कारण ही वह आईपीएल से भी बाहर हैं। उनके अप्रैल के पहले सप्ताह तक पूरी तरह ठीक होने की उम्मीद थी पर अब इसकी संभावना नहीं हैं। ऐसे में उनके प्रशंसकों को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम उनकी वापसी को लेकर किसी प्रकार की जल्दबाजी नहीं करना चाहती। मेडिकल टीम नहीं चाहती कि मैदान पर वापसी के बाद उनके फिर चोटिल होने का खतरा हो। वहीं सकारात्मक बात ये है कि बुमराह ने नेट पर गेंदबाजी शुरू

कर दी है पर अभी वह पूरी ताकत और क्षमता से गेंद नहीं फेंक रहे हैं। सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। टीम उनकी क्रिकेट के मैदान पर वापसी को लेकर किसी भी तरह की जल्दबाजी के पक्ष में नहीं है क्योंकि इसमें जोखिम हो सकता है। इससे वह स्ट्रेस फ्रैक्टर का शिकार हो सकते हैं। मेडिकल टीम का मानना है कि बुमराह को 100 प्रतिशत फिट होने पर ही वापसी करनी चाहिये। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार बुमराह की चोट थोड़ी ज्यादा गंभीर है। मेडिकल टीम ये पक्का करना चाहती है कि वह फिर स्ट्रेस फैक्चर का शिकार न हों। बुमराह स्वयं भी इस मामले में सावधानी रख रहे हैं।

ईशान को इस बार भी बीसीसीआई अनुबंध मिलने की संभावना नहीं : रिपोर्ट

मुम्बई। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन आजकल आईपीएल खेल रहे हैं। ईशान का इसमें अब तक का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है। पहले ही मैच में उन्होंने शतक लगाया था पर बाद के मैचों में वह रन नहीं बना पाये। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड आने समय में केन्द्रीय अनुबंध देने जा रहा है। इसमें इस बार भी ईशान को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ईशान को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले बार भी अनुबंध नहीं मिला था। ईशान केअलावा श्रेयस अय्यर को भी पिछले साल अनुबंध नहीं मिला था पर इस बार जहां श्रेयस की वापसी तय है, वहीं ईशान को अभी इंतजार करना होगा। श्रेयस ने बीसीसीआई की फटकार के बाद घरेलू क्रिकेट खेल लिया था

और इससे उनकी भारतीय टीम में भी वापसी हो गयी थी। अभी श्रेयस आईपीएल में भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई अनुबंध सूची अभी जारी नहीं हुई है पर कहा जा रहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को इसमें ए प्लस में ही बनाये रखा जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई श्रेयस को अपना अनुबंध वापस दे सकती है। दूसरी ओर ईशान को अनुबंध वापस पाने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है। किशन ने नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में आखिरी बार भारतीय टीम की ओर से खेला था। ईशान बोर्ड की फटकार के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने लगे हैं पर अभी तक उनका प्रदर्शन ऐसा नहीं हुआ है कि उन्हें जगह मिल सके।

फीफा फुटबॉल रैंकिंग: भारत 127वें स्थान पर पहुंचा, बांग्लादेश दो पायदान ऊपर चढ़ा

नई दिल्ली। वैश्विक फुटबॉल नियामक संस्था फीफा की ओर से गुरुवार को जारी नवीनतम पुरुष रैंकिंग में भारत एक स्थान फिसलकर 127वें स्थान पर आ गया है। मार्च 2025 में एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैच में ब्लू टाइगर्स को बांग्लादेश से ड्रॉ पर रोका गया था। इस परिणाम से बांग्लादेश को दो पायदान ऊपर चढ़कर 183वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। मिस्र की राष्ट्रीय टीम पिछली रैंकिंग में 33वें स्थान पर रहने के बाद विश्व स्तर पर 32वें स्थान पर पहुंच गई। मोरक्को विश्व स्तर पर 12वें स्थान पर और सेनेगल विश्व स्तर पर 18वें स्थान पर है, जबकि अल्जीरिया अफ्रीका में चौथे और विश्व स्तर पर 36वें स्थान पर है और नाइजीरिया अफ्रीका में पांचवें और विश्व स्तर पर 43वें स्थान पर है। वैश्विक स्तर पर अर्जेंटीना ने अपनी बढ़त बनाए रखी, जबकि स्पेन दूसरे स्थान पर पहुंच गया और फ्रांस तीसरे स्थान पर खिसक गया।

व्यापार

ट्रंप के फैसले से शेयर बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत

- सेंसेक्स 500 से ज्यादा अंक गिरा; निफ्टी 23,200 के नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बड़ी गिरावट के साथ खुले। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के 180 से अधिक देशों पर कम से कम 10 फीसदी तक के टैरिफ की घोषणा के बाद वैश्विक बाजारों में बड़ी गिरावट आई। इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा। ट्रंप की घोषणा के बाद एशियाई बाजारों में बड़ी गिरावट देखी गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 700 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 75,811 पर खुला। जबकि बुधवार को यह 76,617 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स 367.39 अंक गिरकर 76,250.05 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंजका निफ्टी-50 भी करीब 200 अंक की गिरावट लेकर 23,150.30 पर खुला। बुधवार को

इंडेक्स 23,332 पर बंद हुआ था। निफ्टी 88 अंक की गिरावट लेकर 23,244.35 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को भारत और अन्य देशों से होने वाले सभी आयात पर 'रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। उन्होंने इस फैसले को काइंड रेसिप्रोकल करार दिया। ट्रंप ने कहा कि भारत की टैरिफ नीतियां बहुत ही सख्त हैं। इसलिए अमेरिका भारत से होने वाले सभी आयात पर 26 फीसदी शुल्क लगाएगा, जो कि भारत द्वारा अमेरिकी उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्क का आधा है। व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने विभिन्न देशों पर 10 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक के आयात शुल्क लगाने की घोषणा की। इसकी वजह से अमेरिकी बाजार पर बड़े पैमाने पर निर्भर घरेलू आईटी कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई है। बाजार खुलते ही एचसीएल टेल, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा के शेयर 2.5% तक गिर गए। जिससे एशिआई बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। जापान का निक्केई इंडेक्स 3 प्रतिशत टूटा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.48 प्रतिशत गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 1.62 प्रतिशत नीचे आया। पिछले सत्र में सेंसेक्स 592.93 अंक बढ़कर 76,617.44 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 166.65 अंक बढ़कर 23,332.35 पर बंद हुआ था।

70 या 90 घंटे छोड़िए, अरबपति ने कहा दो दिन काम करना ही काफी होगा

न्यूयॉर्क। हफ्ते में 70 या 90 घंटे काम के बीच एक अरबपति ने दिलचस्प भविष्यवाणी कर दी है। इनका कहना है कि आने वाले समय में हफ्ते में सिर्फ दो दिन काम करना काफी होगा। यह अरबपति कोई और नहीं, बल्कि बिल गेट्स हैं। बिल गेट्स को लगता है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से काम करने के तरीके में बहुत अधिक आएगा। गेट्स का मानना है कि शायद अगले 10 सालों में लोगों को हफ्ते में सिर्फ दो दिन ही काम करना पड़े। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर गेट्स का कहना है कि एआई की मदद से मशीनों से काम कराने की क्षमता बहुत तेजी से बढ़ रही है। इससे इंसानों से काम कराने की जरूरत कम होगी। इसका असर कई तरह के उद्योगों और व्यवसायों पर पड़ेगा। गेट्स लंबे समय से एआई की ताकत के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में इंटरव्यू में यही बात कही। गेट्स ने कहा कि एआई की मदद से काम करने वालों की कमी को दूर कर सकते है। खासकर हेल्थकेयर और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में, जहां अच्छी मेडिकल सलाह और पढ़ाई हर

किसी के लिए उपलब्ध नहीं है। एआई इन सभी चीजों को आसान कर देगा। गेट्स के दिमाग में कम काम करने का विचार नया नहीं है। 2023 में, जब चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स आए, तब उन्होंने कहा था कि शायद भविष्य में लोगों को हफ्ते में तीन दिन ही काम करना पड़े। अब एआई इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि उनकी बातें और भी बड़ी लगने लगी हैं। उनका कहना है कि मशीनों से काम कराने की वजह से मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और फूड प्रोडक्शन जैसे क्षेत्रों में ज्यादातर काम मशीनें ही करेंगी। इससे इंसानों की जरूरत कम होगी। गेट्स ने बताया कि मेडिकल और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सबसे ज्यादा बदलाव आएगा। एआई टूल्स से मेडिकल जांच, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और लोगों के हिसाब से पढ़ाई करने की सुविधा मिलेगी। इससे लोगों को ये जरूरी सेवाएं आसानी से मिलेगी। उन्होंने कहा कि कुछ काम हैं जो इंसान ही करने वाले हैं, जैसे कि प्रोफेशनल स्पोर्ट्स। लेकिन ज्यादातर उद्योगों में एआई से काम कराने का तरीका ही अपनाया जाएगा। एआई के विकास को लेकर दिग्गज कारोबारी गेट्स बहुत उत्साहित हैं। उन्हें लगता है कि इससे तरक्की होगी। लेकिन बहुत से लोग यह सोच रहे हैं कि क्या सच में दुनिया हफ्ते में दो दिन काम करने के तरीके को अपनाएगी, या फिर यह बदलाव इतना आसान नहीं होगा।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 92,830 रुपये से लेकर 92,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 85,090 रुपये से लेकर 85,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,04,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 92,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22

कैरेट सोने की कीमत 85,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 92,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 92,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 85,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 92,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 85,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 92,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 92,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 85,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 92,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 85,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 92,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आईडेंटिक्स वेब ने आईपीओ निवेशकों को किया गदगद, लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट पर पहुंचे शेयर

नई दिल्ली। शॉपिफाई एप्स डेवलप करने वाली कंपनी आईडेंटिक्स वेब ने प्रीमियम लिस्टिंग के कारण आज अपने आईपीओ निवेशकों को गदगद कर दिया। आज कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में मजबूत लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1.85 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 55 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर कुछ ही देर में 57.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले कारोबारी दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 6.94 प्रतिशत का फायदा हो गया। आईडेंटिक्स वेब का 16.13 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से

28 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 26.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 73.46 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 14.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 30.80 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

एप्पल हेल्थ प्लस नामक नई सर्विस करेगी लॉन्च

नई दिल्ली। एप्पल कंपनी एप्पल हेल्थ प्लस नामक नई सर्विस लॉन्च कर सकती है। इस सर्विस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से पावर्ड हेल्थ कोचिंग फीचर शामिल होगा। इस इनिशिएटिव को कंपनी ने प्रोजेक्ट मुलबेरी नाम दिया है, जो अभी टेस्टिंग फेज में है। यह नया फीचर एप्पल के डिवाइसेज़ को सिर्फ गैजेट नहीं, बल्कि एक पर्सनल हेल्थ टूल में बदलने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है। एप्पल का एआई हेल्थ कोच यूजर्स को यह बताएगा कि वे अपनी सेहत में कैसे सुधार कर सकते हैं। वर्तमान में, एप्पल डिवाइसेज़ हार्ट रेट, ब्लड ऑक्सीजन लेवल और कैलोरी बर्न डेटा को ट्रैक करते हैं, लेकिन इस डेटा को गहराई से एनालाइज नहीं किया जाता। एप्पल हेल्थ प्लस के जरिए एप्पल अब इस डेटा का इस्तेमाल करके यूजर्स को कस्टमाइज्ड हेल्थ एडवाइस देने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, नया हेल्थ ऐप एक एआई एजेंट या एलएलएम (लार्ज लैंग्वेज मॉडल) के साथ आएगा, जो मेडिकल डिवाइसेज़ के डेटा के आधार पर यूजर को डीटेल हेल्थ रिपोर्ट और सुझाव देगा। इस एआई कोच में फूड ट्रैकिंग फीचर भी शामिल किया जा सकता है, जिससे यूजर्स अपनी डाइट पर नजर रख सकेंगे। एप्पल इस वक्त अपने एआई को स्टाफ फिजिशियंस द्वारा कलेक्ट किए गए डेटा के आधार पर ट्रेन कर रहा है, ताकि यह ज्यादा सटीक हेल्थ गाइडेंस दे सके। एप्पल अपने इस एआई हेल्थ कोच को आईओएस 19 में इंटीग्रेट करने की योजना बना रहा है। कंपनी यूजर्स के लिए वर्चुअल डॉक्टर्स भी

पेश कर सकती है, जो हेल्थ-रिलेटेड वीडियो रिकॉर्ड करेंगे और पर्सनलाइज्ड मेडिकल गाइडेंस देंगे। यह नया एआई हेल्थ कोच आईफोन,एप्पल वॉच और दूसरी हेल्थ ट्रैकिंग एक्सेसरीज से डेटा कलेक्ट कर, यूजर्स के हार्ट रेट पैटर्न, स्लीप साइकिल और ऐक्टिविटी लेवल के आधार पर कस्टम हेल्थ एडवाइस देगा। सटीकता बढ़ाने के लिए एप्पल ने स्लीप साइंस, न्यूट्रिशन, फिजिकल थेरेपी, कार्डियोलॉजी और मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट्स को भी इस प्रोजेक्ट से जोड़ा है, जो एआई मॉडल को ट्रेनिंग दे रहे हैं।

मेरे लिए सफलता का मतलब रूढ़ियों को तोड़ना : सामंथ रुथ प्रभु

हाल ही में सिडनी के भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएस) के 11वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में साउथ फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी सफलता की परिभाषा पर खुलकर बात की। इस कार्यक्रम के दौरान सामंथा ने कहा कि महिलाओं के लिए सफलता केवल उपलब्धियों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह सामाजिक बंधनों से मुक्त होने और अपनी शर्तों पर जीवन जीने का नाम है। उन्होंने बताया कि कैसे समाज महिलाओं पर कुछ तय सीमाएं लागू कर देता है और यह बताने की कोशिश करता है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। सामंथा ने इस मानसिकता को चुनौती देने की बात की और कहा कि सफलता वही है जो समाज के बनाए दायरों को तोड़कर अपने सपनों को खुलकर जीने में मिले।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने पहले भी कहा है कि मेरे लिए सफलता का मतलब रूढ़ियों को तोड़ना और ख़ुद को सीमाओं से बाहर निकालना है। मैं किसी और से यह सुनने का इंतजार नहीं करती कि मैं सफल हूं या नहीं। यह एहसास खुद के भीतर से आता है। सफलता किसी बॉक्स में बंद नहीं हो सकती। हमें यह तय करने का हक होना चाहिए कि हम क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। इस दौरान सामंथा ने अपनी निजी और पेशेवर यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने अपने करियर में चुनौतियों का सामना किया और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ अपने सपनों को साकार किया। उन्होंने निर्माता बनने के अपने फैसले को भी सशक्त कदम बताया और कहा कि इससे उन्हें सार्थक कहानियों को सामने लाने का अवसर मिलेगा। सिडनी फिल्म फेस्टिवल के डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने सामंथा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी यात्रा इस फेस्टिवल की सोच को पूरी तरह दर्शाती है। यह फेस्टिवल भी उन लोगों का मंच है जो अपनी मौलिकता, दृढ़ता और विविधता के लिए खड़े होते हैं। सामंथा का इसमें नेतृत्व करना गर्व की बात है। सामंथा की इस सोच को उनके फैंस और दर्शकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने हमेशा अपनी सोच और अभिनय से प्रेरणा दी है, और इस बार भी उन्होंने सफलता की एक नई और सशक्त परिभाषा दी है। बता दें कि सामंथा रुथ प्रभु अपनी बेबाक राय और विचारों के लिए जानी जाती हैं। वह न केवल अपनी अदाकारी से बल्कि सामाजिक मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय से भी फैंस के बीच लोकप्रिय हैं।

सरदार 2 से कार्थी की पहली झलक जारी, देश को बड़े खतरे से बचाने निकले अभिनेता

साउथ स्टार कार्ति की मच अवेटेड फिल्म 'सरदार 2 के मेकर्स ने ईद के मौके पर फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। मेकर्स ने सफल जासूसी फिल्म के अगले भाग का आज फर्स्ट लुक और टीजर वीडियो जारी कर दिया गया है। इस फिल्म के जरिए कार्ति एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने आ रहे हैं। 'सरदार 2 के मेकर्स ने ईद के मौके पर कार्ति के फैंस का दिन बना दिया है। मेकर्स ने फिल्म का एक टीजर वीडियो जारी किया है, जिसे प्रोलॉग वीडियो बताया है। लगभग तीन मिनट लंबे इस वीडियो में कार्ति जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। टीजर की शुरूआत में चीनी सेना दिखती है। चीनी सेना एक व्यक्ति से पूछती है कि क्या डेलीगेट अभी भी अंदर है? व्यक्ति कहता है हां, दरवाजा बंद हुए एक घंटा हो चुका है। जिसके बाद सेना दरवाजे को तोड़ने का प्रयास करने लगती है। वहीं दरवाजे के अंदर तलवारों से युद्ध चल रहा है। जिसमें एक तलवार पर सबसे पहले कार्ति की झलक दिखती है। उसके बाद कार्ति दरवाजे के अंदर तलवार लेकर एक्शन करते नजर आते हैं। काफी एक्शन के बाद एक व्यक्ति कार्ति से पूछता है तुम कौन शैतान हो और मुझसे क्या चाहते हो? इसके बाद वो व्यक्ति कार्ति के ऊपर हमला करता है, लेकिन वो उससे बच जाते हैं। इसके बाद कार्ति का पूरा लुक सामने आता है और वो व्यक्ति कार्ति को देखकर कहता है सरदार। बाद में वो व्यक्ति सरदार से कहता है कि तुम्हारे देश की ओर एक बड़ी प्रलय आ रही है। जिसे कोई नहीं रोक पाया है। पूरी दुनिया की ख़ुफिया एजेंसियां उसके पीछे पड़ी हैं। ब्लैक डैगर आ रहा है। इसके साथ ही एसजे सूर्या के किरदार की दमदार तरीके से एंट्री होती है। वहीं सरदार उस व्यक्ति से कहता है कि हमारे देश में एक कहावत है कि 'जब युद्ध हम पर हावी होता है, हम जीवन की परवाह नहीं करते। इसके बाद कार्ति उस व्यक्ति को मार देता है। फिल्म में एसजे सूर्या खूंखार विलेन ब्लैक डैगर के किरदार में हैं। इस वीडियो से ये पता चलता है कि फिल्म की कहानी जासूस सरदार के ब्लैक डैगर को हराने और देश को बचाने के मिशन के इर्द-गिर्द घूमेगी। इस टीजर वीडियो से पहले मेकर्स ने सरदार 2 का फर्स्ट लुक जारी किया था। इसमें कार्ति हाथों में तलवार लिए काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे थे। इस फर्स्ट लुक को देखकर ही फैंस काफी एक्साइटेड हो गए थे। लेकिन इसके कुछ ही देर बाद मेकर्स ने लगभग तीन मिनट लंबा प्रोलॉग वीडियो जारी कर दिया। जिसके बाद फैंस अब फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

कपिल शर्मा का फैंस को तोहफा, किस किस को प्यार करूं 2 से फर्स्ट लुक आउट, दूल्हा बन हंसाने को तैयार कॉमेडी किंग

कॉमेडियन से एक्टर बने कपिल शर्मा ने आज ईद के मौके पर अपने फैंस को बड़ा तोहफा दिया है. कपिल शर्मा ने अपनी मोस्ट अवेटेड कॉमेडी ड्रामा फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 से अपना लुक शेयर कर दिया है. फिल्म के नए पोस्टर में कपिल शर्मा दूल्हेराजा बने दिख रहे हैं. दूल्हे के लुक में कपिल शर्मा हैरान-परेशान दिख रहे हैं. वहीं, कपिल घूंघट ओढ़े अपनी दुल्हनिया के साथ दिख रहे हैं. किस किस को प्यार करूं 2 में कपिल की दुल्हनिया कौन बनने जा रही है, यह तो घूंघट उठने के बाद ही पता चलेगा. कपिल शर्मा और मनजोत सिंह स्टारर फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 एक शानदार कॉमेडी फिल्म होने जा रही है. फिल्म के पहले भाग में कपिल ने अपने दर्शकों को खूब हंसाया था. अब फिल्म के दूसरे पार्ट में उनके फर्स्ट लुक ने शोर मचा दिया है. अब फैंस को उम्मीद है कि कपिल धीरे-धीरे फिल्म से जुड़ी अपडेट दे सकते हैं. फिल्म का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं. रतन जैन, गणेश जैन, अब्बास-मस्तान वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास-मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के कोलैब से फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 को प्रोड्यूस कर रहे हैं. किस किस को प्यार करूं 2 से आए कपिल शर्मा के फर्स्ट लुक पर उनके फैंस के रिएक्शन आने शुरू हो गए हैं. एक फैन ने लिखा है, क्या इस फिल्म में कपिल की एक ही पत्नी होगी?. दूसरा फैन लिखता है, आपकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार है कपिल पाजी. तीसरा फैन लिखता है, वाह अब और भी मजा आने वाला है. एक फैन ने पूछा है, कपिल जी इस फिल्म में आप कितनी शादियां करने जा रहे हैं. कपिल के एक नटखट फैन ने पूछा है- घूंघट में कौन हैं? फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट का एलान नहीं किया है.

नेपाल की खूबसूरत हसीना अदिति बुधाथोकी पर चढ़ा हॉटनेस का खुमार, कातिल अदाओं ने फैंस का खींचा अटेंशन

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी हमेशा अपने लेटेस्ट ग्लैमरस और हॉट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में अदिति ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में वो एथनिक लुक में कहर बरपा रही हैं। एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी नेपाल की मशहूर एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उनका किलर लुक इंटरनेट पर आते ही अक्सर तबाही मचाती मचाता रहता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। अदिति ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका यह लुक इंटरनेट पर बवाल मचा रहा है। कानों में झुमके, बालों को कर्ली लुक में ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने कातिल निगाहों से पोज देती हुई सोशल मीडिया पर खंजर चलाती हुई नजर आ रही हैं। अदिति बुधाथोकी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

सीमाओं से आगे निकलकर चुनौती भरी भूमिका निभाना करता है उत्साहित : हेली शाह

हाल ही में रिलीज हुई सीरीज ज्यादा मत उड़ में अभिनय कर रहीं लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री हेली शाह का कहना है कि अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने वाली भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना उन्हें और अधिक उत्साहित करता है। ड्रामा और कॉमेडी का एक बेहतरीन मिश्रण ज्यादा मत उड़ चुनौतियों से भरी दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाने की कोशिश कर रहे युवाओं के संघर्ष और आकांक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने बताया, "एक साथ कई कलाकारों के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा होना मेरे लिए कभी चिंता का विषय नहीं रहा, क्योंकि मुझे अपने काम पर भरोसा है। मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करता है खुद को ऐसे किरदारों से चुनौती देना जो एक अभिनेता के तौर पर मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। शो में हेली ने काजल की भूमिका निभाई है, जो एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी महिला है, जो सामाजिक अपेक्षाओं से पीछे हटने से इनकार करती है। अपने पहले निभाए गए पारंपरिक किरदारों से अलग, काजल बोल्ड, मुखर और हमेशा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहती हैं। उन्होंने कहा, 'ज्यादा मत उड़ में काजल की भूमिका निभाना मेरे लिए एक नया अनुभव रहा है, क्योंकि वह बोल्ड, निडर और सामाजिक मानदंडों से बंधे रहने से इनकार करती है। वह अपने मन की सुनती है, अपने लिए खड़ी होती है और मेरे द्वारा पहले निभाई गई भूमिकाओं की तुलना में एक अलग ऊर्जा लेकर आती है। यह रोमांचक और फायदेमंद दोनों रहा है। हेली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 8वीं कक्षा में शो 'गुलाल से की थी। इसके बाद वह 2011 के शो दीया और बाती हम में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'अलक्ष्मी - हमारी सुपर बहू में अलक्ष्मी का किरदार निभाया। बाद में वह खेलती है जिंदगी आंख मिचौली में अमी के किरदार में दिखी थीं। इसके बाद वह सोनी पल के शो खुशियों की गुल्लक आशी में नजर आईं। 'स्वरागिनी में हेली ने स्वरा माहेश्वरी का किरदार निभाया था। 2016 में शाह 'झलक दिखला जा के सीजन 9 में दिखी थीं। अभिनेत्री को बाद में 'देवांशी, 'सूफियाना प्यार मेरा, 'ये रिश्ते हैं प्यार के और 'इश्क में मरजावां 2 जैसे कई अन्य शो में देखा गया।

Not all are guilty: Mamata Banerjee on top court's ruling against 25,000 teachers

Agency: West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee on Thursday said she can't support the judgment of the Supreme Court which invalidated the jobs of nearly 25,000 teachers in the state. "As a citizen, I am saying I can't support this judgement. I hope it is not distorted. The court says the appointments of these candidates are cancelled. However, those who are employed need not be asked to refund any payment made to them," Mamata Banerjee said at a press conference. The Supreme Court had upheld a Calcutta High Court's decision to terminate the appointments of as many as over 25,000 teaching and non-teaching staff by the West Bengal School Service Commission (WBSSC) in 2016 in connection with the school jobs for cash scam. The court termed the selection process "vitiated and tainted". Banerjee questioned the blanket dismissal of all candidates, asserting that not all appointees were guilty of wrongdoing. "The ones whom you call tainted, we don't have proof regarding them. Does the BJP government want to collapse the education system of Bengal? What happened in Vyapam? Fifty plus people were killed," she said, drawing a comparison to the recruitment scam in Madhya Pradesh. Referring to the Supreme Court's directive, Banerjee noted that candidates who were not tainted could apply afresh. "Order states that candidates who are not tainted can appear for the fresh selection process. We will accept the judgement, and we will complete the process in three months. The SSC is an autonomous body, but we will ensure that it completes the reappointment process of teachers," she said. She also criticised the role of BJP and CPI(M), alleging political motives behind the order. "The judge who gave the first order in Calcutta High Court is now a BJP MP. I know that this was done by BJP and CPI(M). They will get an answer soon," she said.

Expressing concern over the emotional impact of the verdict on affected candidates, Banerjee urged them not to lose hope. "I am coming to know that some are getting depressed. If something happens to them, who will be responsible? Our lawyers will review this order," she said. Banerjee also announced that she would

attend a gathering of the affected teachers on April 7. "To all the teachers, they wanted to conduct a sabha, and they asked if I can be present. On April 7, I will participate in their sabha and listen to them. I will tell them not to lose hope. You all can apply, and we will make sure that the process is completed as soon as possible." She also accused the BJP-led central government of deliberately targeting Bengal. "So many scams in BJP-ruled states, yet no investigation happens. Is it a crime to be born in Bengal? Or are they afraid of Bengal's talent? They want to collapse the education system of Bengal. I understand the target of BJP and the government of India." Mamata Banerjee extended her support to the dismissed teachers. "I will be beside the teachers. BJP can put me in jail if they want. We are thinking about how to deal with this legally," she said.

PCB chief Mohsin Naqvi takes charge as Asian Cricket Council president

Agency: Mohsin Naqvi has officially assumed charge as the new president of the Asian Cricket Council (ACC), marking a new era of leadership for Asian cricket. Naqvi, who has been serving as the Pakistan Cricket Board (PCB) chairman since February 2024, took over the prestigious role on April 3, 2025. "I am deeply honoured to assume the presidency of the Asian Cricket Council," said Naqvi in an ACC statement. "Asia remains the heartbeat of world cricket, and I am committed to working with all member boards to accelerate the game's growth and global influence.

Together, we will unlock new opportunities, foster greater collaboration, and take Asian cricket to unprecedented heights. I also extend my sincere thanks to the outgoing ACC President for his leadership and contributions to the ACC during his tenure." Naqvi succeeds Shammi Silva, president of Sri Lanka Cricket (SLC), who reflected on his tenure with pride. "It has been a privilege to serve as President of the Asian Cricket Council. The steadfast commitment of our member boards working together has been pivotal in elevating ACC's stature across the region. I extend my gratitude to my predecessor, Jay Shah, Chairman of the ICC, under whose leadership the ACC reached significant milestones — including securing the highest-ever value for the ACC Asia Cup commercial rights, introducing a new pathway events structure, and paving the way for the continued development of cricket in Asia.

'Use Starlink as bargaining chip': AAP leader Raghav Chadha's advise to Centre

Agency: Aam Aadmi Party (MP) Raghav Chadha on Thursday suggested the government should use Elon Musk's Starlink satellite internet services as a "bargaining chip" to renegotiate with Donald Trump after the US President's announcement of 27 per cent reciprocal tariffs on India. "Should we not withhold the requisite approvals for Elon Musk's Starlink who is a visible part of the US administration and use that as a bargaining chip to renegotiate the Trump tariffs?" Chadha asked in the Rajya Sabha. Musk, the world's richest person, is the head of DOGE (Department of Government Efficiency) in the Trump administration. Chadha continued, "India rolled out the red carpet for the US, but in return, we got tariffs." He added, "I am severely obsessed with anything which affects India's interest, particularly Indian economy. That is what brings me to this House. I will continue to passionately raise every issue." The AAP MP also sang a few lines of the Bollywood song 'Accha sila diya tune mere pyaar ka, yaar ne hi loot liya ghar yaar ka.'

Last month, Indian telecom companies Jio and Bharti Airtel announced a partnership with the Musk-led SpaceX to bring Starlink to India. Earlier, US President Trump, while announcing his "Liberation Day" reciprocal tariffs against India and other countries, called Prime Minister Narendra Modi a "great friend," but added he also told the prime minister, "You (India) are not treating us (United States) right." "India, very, very tough. Very, very tough. The prime minister just left. He's a great friend of mine, but I said, 'You're a friend of mine, but you're not treating us right. They charge us 52%. You have to understand, we charge them almost nothing for years and years and decades, and

it was only seven years ago, when I came in, that we started with China."

A chart used by the MAGA leader at his "Make America Wealthy Again" event revealed India's 52 per cent tariffs "including currency manipulation and trade barriers," against which the US would now impose a "discounted reciprocal tariff" of 26 per cent.

Carefully examining implications, in talks with US: India on Trump's tariffs

Agency: In its first official response to US President Donald Trump's reciprocal tariffs on India, the Department of Commerce said on Thursday that it is carefully examining the implications of the measures and announcements made by Trump. "The Department of Commerce is engaging with all stakeholders, including Indian industry representatives and exporters, to gather feedback on their assessment of the tariffs and analyse the situation. Keeping in view the vision of Viksit Bharat, the department is also studying potential opportunities that may arise due to this shift in US trade policy," said the Ministry of Commerce and Industry in a press release. The statement by the Finance Ministry further revealed that discussions are underway between Indian and US trade teams to finalise a mutually beneficial, multi-sectoral Bilateral Trade Agreement. "These negotiations encompass a broad range of issues, including supply chain integration, investment

growth, and technology transfers," the statement said. The US imposed reciprocal tariffs of 27 per cent on India. The new tariffs announced by US President Donald Trump include a universal 10% duty on all imports into the US starting from April 5, with an additional 17% to be applied from April 10. These tariffs are part of a broader trade policy targeting multiple countries, including India.

The press release further read, "The US President has issued an Executive Order on reciprocal tariffs, imposing additional ad-valorem duties ranging from 10% to 50% on imports from all trading partners. The baseline duty of 10% will take effect from April 5, 2025, while the remaining country-specific additional ad-valorem duties will be effective from April 9, 2025. According to Annex I of the Executive Order, the additional duty on Indian imports has been set at 27%." Meanwhile, the Prime Minister's Office (PMO) called for a high-level meeting on Thursday to assess Trump's tariff order. The Principal Secretary to the Prime Minister chaired the high-level meeting. Senior officials from the Commerce Ministry, NITI Aayog, DPIIT, and other departments were also present in the meeting.

Waqf Bill faces Rajya Sabha test, Kiren Rijiju says all properties for Muslims only

Agency: Union Minority Affairs Minister Kiren Rijiju tabled the Waqf (Amendment) Bill, 2024 in Rajya Sabha on Thursday, a day after it cleared the Lok Sabha with 288 in its favour and 232 against it. Speaking in the Rajya Sabha, the minister slammed the Opposition for calling the bill "illegal" and assured that there is "no question of interference by non-Muslims." "We consulted state governments, minority commissions, and waqf boards before introducing this bill in Parliament. A Joint Parliamentary Committee (JPC) was formed, comprising representatives from both the Rajya Sabha and Lok Sabha. Despite doubts raised about the JPC's consultations, after extensive discussions, the bill was passed in the Lok Sabha yesterday," he said. The Lok Sabha witnessed a 12-hour marathon debate in Lok Sabha on Wednesday with Opposition calling the bill "illegal" and "discriminatory". Minister Kiren Rijiju said that as of today, there are 8.72 lakh Waqf properties. In 2006, if the Sachar committee had estimated the earnings from 4.9 lakh Waqf properties at Rs 12,000 crore. "You can imagine the income these properties must be generating now," he said. The minister reiterated that the Waqf board "will only oversee, not manage, Waqf properties". Rijiju, after tabling the bill, said, "The debate that took place in the Parliament on the Waqf Amendment Bill makes one thing clear: property worth lakhs and crores is belonging to Waqf have been illegally occupied. This bill has been brought to address the mismanagement in the Waqf Board... The properties under Waqf are those donated for social and religious works meant for the welfare of our Muslim brothers, and this law has been introduced to manage them. No one should have any doubts about this," he said. The minister lashed out at the Opposition parties for "spreading lies" and clarified that all Waqf properties are for Muslims only. "Some political parties are spreading lies due to vote-bank politics, but the Home Minister has made it clear that all Waqf properties are for the people of our Muslim community..." Speaking in the Rajya Sabha on the Waqf Amendment Bill 2025, Union Minister Kiren Rijiju stated, "The bill includes the Right to Appeal. If a person is not granted their right by the Tribunal, they can file a petition in court under this provision." He further announced that the Waqf Amendment Bill 2025 will be renamed as the UMEED (Unified Waqf Management Empowerment Efficiency and Development) Bill. Kiren Rijiju said that the ministry of minority affairs had prepared the bill after taking in confidence many stakeholders across the country. He said that a total of 284 organisations gave their opinions of the bill, and over one crore people submitted memorandums to submit their opinions regarding the same. "Before the joint parliamentary committee was formed, many said that the consolation regarding it wasn't enough. I want to say that before the Waqf Amendment Bill was introduced, the ministry of minority affairs came to prepare the bill after taking in confidence the stakeholders, including the minority commission of the state governments," Rijiju said. Union Minister Kiren Rijiju stated that the Ministry of Minority Affairs drafted the Waqf Amendment Bill after consulting numerous stakeholders nationwide. He revealed that 284 organisations shared their views, and over one crore people submitted memorandums. Addressing concerns about inadequate consultation, Rijiju emphasised that the ministry engaged with stakeholders, including state minority commissions, before introducing the bill. Speaking in the Rajya Sabha on the Waqf Bill, Congress MP Syed Naseer Hussain launched a sharp attack on the government, accusing it of communal polarization. He claimed the bill was built on falsehoods and alleged that a misinformation campaign had been orchestrated over the past six months, with the BJP's "fake factory" playing a key role in spreading misleading narratives. "Those properties exist even today, and are in long usage...that is the proof of them being in waqf... There is 'waqf by user', temple by user, gurdwara by user...How will you ask for proof for all? How will you ask for proof of the age-old places...They are trying to incite riots and make their vote bank," he said. Kiren Rijiju, speaking on the Waqf Amendment Bill 2025, emphasised that the bill includes a Right to Appeal, allowing individuals to challenge tribunal decisions in court. However, Congress MP Syed Naseer Hussain questioned this claim, arguing that petitions had been filed despite the provision supposedly barring challenges. Countering him, Home Minister Amit Shah clarified that while civil suits cannot be filed for waqf property-a provision removed in 2013-writs can still be filed in High Courts, though their scope remains limited. He further asserted that 99 per cent of tribunal orders are upheld. "Do you want to convert Muslims into second-class citizens?" Hussain asked. DMK leaders protested against the Waqf (Amendment) Bill inside Parliament premises, wearing black shirts as a mark of dissent. DMK MP TR Baalu stated that the party's legislators were also wearing black in the state Assembly to oppose the bill's passage. "To protest against the passage of the Waqf Bill, we are wearing black in the state Assembly as well as here (Parliament) in both Houses. We have also raised the issue of Katchatheevu, which was unconstitutionally ceded by the Government of India in 1976 when President's Rule was in place. This has to be retrieved immediately," Baalu said. Speaking on the Waqf Amendment Bill 2025, TMC MP Nadimul Haque questioned the provision requiring a person to practice Islam for a minimum of five years before creating waqf. He argued that the requirement was unconstitutional and violated Article 14, stating, "I want to ask-who will certify that a person is a practising Muslim?

'100 choohe kha kar billi Haj ko chali': BJP's Giriraj Singh slams Congress on Waqf Bill

Agency: Union minister and senior BJP leader Giriraj Singh launched a sharp attack on Congress on Thursday over the Waqf Amendment Bill, invoking a Hindi proverb to criticise the party's past actions. "There is a saying, '100 choohe kha kar billi Haj ko chali.' Congress party's history has been dark, there is nothing bigger than Emergency. In 2013, ahead of elections, they gave away 123 properties in Lutyens' Delhi to Waqf, overnight. This shows who crosses the limits of appeasement, who writes a black chapter..." Singh said. Earlier in the day also, Singh targeted Congress, asserting that the BJP-led central government had corrected what he called the mistakes of 2013. "We have corrected the mistakes that Congress made in 2013 in the name of appeasement politics and have taken care of the poor and women... We hope that in future, the poor will get the rights to their land," he said. The Lok Sabha passed the Waqf Amendment Bill 2025 following an extended and heated debate, with INDIA bloc members opposing it while BJP and its allies backed the legislation. The session continued past midnight before Speaker Om Birla announced the division vote results. "Subject to correction, Ayes 288, Noes 232. The majority is in favour of the proposal," Birla declared. The revised bill, incorporating recommendations from the Joint Parliamentary Committee, aims to amend the 1995 Act to improve Waqf property administration, enhance efficiency, streamline registration, and integrate technology into record-keeping. Meanwhile, Union minister of minority affairs Kiren Rijiju moved a motion in the Rajya Sabha for consideration of the Waqf (Amendment) Bill 2025 and the Musalmaan Wakf (Repeal) Bill.